RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 181 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, मंगलवार 19 अप्रैल 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

'घर' में ही कांग्रेस से नाराजगी? सामने आई जमीनी हकीकत

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान में चल रहे कांग्रेस डिजिटल सदस्यता अभियान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का अपना विधानसभा क्षेत्र ही पिछड़ गया है। राजस्थान में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश में डिजिटल सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन 5 महीने के बाद जारी आकड़ों में सीएम गहलोत का विधानसभा क्षेत्र ही 14-वें स्थान पर आकर पिछड़ गया है। इससे भी हैरान करने वाली बात यह सामने आई कि सीएम के गृह जिले का विधानसभा क्षेत्र शेरगढ़ सबसे पीछे रह गया है।

दरसअल राजस्थान में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश में एक नवम्बर से सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस ने डिजिटल सदस्यता अभियान शुरू किया था। राज्य के सभी 200 विधानसभा क्षेत्र में डिजिटल सदस्यता अभियान चलाया गया था। लेकिन 5 महीने बाद जब आंकड़े जारी हुए तो सदस्यता अभियान की पोल खुल गई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का विधानसभा क्षेत्र ही सदस्यता अभियान की सूची में 14वें स्थान पर आ गया। यही नहीं, सीएम के गृह जिले के 8 विधानसभा क्षेत्र संगठन सदस्यता अभियान में बुरी तरह पीछे रहे हैं।

जोधपुर जिले का शेरगढ़ विधानसभा क्षेत्र 200 विधानसभा में 174वें स्थान पर रहा है। साथ ही सबसे खराब स्थिति सीएम के गृह जिले के शेरगढ़, बिलाड़ा, भोपालगढ़ विधानसभा क्षेत्र की रही है। जहाँ कांग्रेस संगठन पार्टी में आम लोगो को जोड़ने में पिछड़ गई है।

सबसे खराब स्थिति शेरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में

सीएम गहलोत के ही गृह ज़िले का शेरगढ़ विधानसभा क्षेत्र बुरी तरह से सदस्यता अभियान में पिछड़ गया है। विधायक मीना कवर के विधानसभा क्षेत्र शेरगढ़ में 290 बूथों पर मात्र 713 सदस्य ही पार्टी से जुड़ पाए। जिसके चलते 200 विधानसभा क्षेत्र की जारी सूची में शेरगढ़ 174 वे स्थान पर पिछड़ गया। वही भोपालगढ़ सीट पर भी 293 बूथों पर 2546 सदस्य बनाए गए। जिससे भोपालगढ़ 132 वें स्थान पर रहा। वहीं हैरान करने वाली बात यह भी रही कि सीएम के गृह जिले में ग्रामीण जिला अध्यक्ष का बिलाड़ा विधानसभा क्षेत्र भी सूची में 131वें स्थान पर रह गया।

प्रत्येक बूथ पर 100 सदस्यों का था टारगेट

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने डिजिटल सदस्यता अभियान में राजस्थान के 200 विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर 100 सदस्यों को जोड़ने का टारगेट दिया था। लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले के 10 विधानसभा क्षेत्र में से सिर्फ 8 विधानसभा क्षेत्र ही इस टारगेट को पूरा तो कर पाए, लेकिन 200 सीटों की सूची में बुरी तरह पिछड़ गए।

टप्पा तालाब के पास मिली युवक की लाश, हत्या की आशंका, जांज में जुटी पुलिस

बीते शाम को कुछ युवकों से विवाद की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग के मठपारा में चंडी चौक के पास रहने वाले एक युवक की लाश आज सुबह टप्पा तालाब के पास मिली है। मृतक की पहचान 20 वर्षिय प्रकाश गोंड के रूप में हुई है। बीते शाम प्रकाश का कुछ युवकों के साथ विवाद होने की चर्चा है। वहीं हत्या की आशंका को लेकर पुलिस जांज में जुटी है।

आज सुबह मठपारा में टप्पा तालाब के पास एक युवक की लाश पड़ी होने की खबर ने इलाके में सनसनी फैला दी। सूचना पर पर कोतवाली थाना पुलिस ने पहुंचकर लाश का बारीकी से मुआयना किया। मृतक की पहचान मठपारा निवासी प्रकाश गोंड के रूप में होने के बाद परिजनों से पूछताछ कर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक युवक कोई स्थायी काम नहीं करता था। शादी विवाह में बाजा बजाने के साथ कभी-कभार मजदूरी कर लेता था।

बताया जा रहा है कि प्रकाश गोंड मठपारा में अपने मामा-मामी के घर में रहता था। सोमवार की शाम को वह घर से निकलने के बाद वापस नहीं आया और आज सुबह उसकी लाश मिल गई। अक्सर वह देर रात को घर लौटता था, इसलिए मामा-मामी ने उसके नहीं लौटने पर खास ध्यान नहीं दिया। बताते हैं बीते शाम को चंडी चौक के पास प्रकाश का कुछ युवकों से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आज उसकी लाश मिलने के बाद पुलिस उन युवकों की तलाश में जुटी हुई है। जिन युवकों के साथ प्रकाश के विवाद की चर्चा है, हत्या में उनके शामिल होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा रहा है।

गले में दिखा चोट का निशान

टप्पा तालाब के पास प्रकाश गोंड की लाश पड़ी मिली। इस बात की खबर मिलते ही वहां पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो मृतक युवक के गले में चोट का निशान नजर आया है। प्रकाश ने गले में एक मोटा सा चैन पहन रखा था। चोट के निशान से ऐसा लगता है जैसे आरोपियों ने चैन को गले में पूरी ताकत के साथ खींचकर कस दिया। दुर्ग कोतवाली पुलिस ने मामले को जांच में ले लिया है। कुछ संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने की भी खबर है।

खास-खबर

क्या पाकिस्तान में निकलेंगे रामनवमी जुलूस? : पथराव से भड़के केंद्रीय मंत्री गिरिराज, बोले- अब सब्र टूट रहा

कटिहार (एजेंसी)। रामनवमी के अवसर पर देश में कई स्थानों पर जुलूसों पर पथराव से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भड़क उठे हैं। उन्होंने कहा कि ये हमले देश की 'गंगा जमुनी तहजीब' के दावों के विपरीत है। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में यह भी कहा कि अब सब्र टूट रहा है।

तेजतर्रार भाजपा नेता ने कहा कि देश ने आजादी के बाद नई मस्जिदों के निर्माण और मुस्लिमों की आबादी में कई गुना बढ़ोतरी पर कभी आपत्ति नहीं जताई, जबकि पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर मंदिर तोड़े गए, जहां हिंदू लगभग विलुप्त होने को हैं। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अब धीरज खो रहा है।

ओवैसी के बयान पर भड़के

सोमवार रात उत्तरी बिहार के कटिहार जिले में पत्रकारों से चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री सिंह एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर भड़क उठे। उन्होंने ओवैसी और 'जिन्ना के डीएनए वाले' धर्मनिरपेक्ष राजनेताओं पर की टिप्पणी कि हिंदुओं को धार्मिक जुलूस निकालते समय सांप्रदायिकता भड़कने से बचने के लिए मुस्लिम बहुल इलाकों में जाने से बचना चाहिए।

सिंह ने सवाल किया कि इस देश में नहीं तो रामनवमी के जुलूस कहां निकाले जाएंगे? पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में? अगर किसी अन्य धर्म के जुलूसों पर हमले होते तो राहुल गांधी और बीमार राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद अपने राजनीतिक पर्यटन के लिए सड़कों पर उतर जाते है। गिरिराज सिंह अपने तीखे बयानों के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं। बिहार के बेगूसराय से सांसद गिरिराज सिंह ने कर्नाटक के हुबली में पुलिस अधिकारियों पर हमले व दिल्ली की जहांगीरपुरी में सांप्रदायिक हिंसा पर कड़ी नाराजगी प्रकट की।

जुलूस या शोभायात्रा निकालने पर देना होगा हलफनामा, सीएम का नया आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद मंगलवार को यूपी सरकार ने धार्मिक जुलूसों और शोभायात्रा आदि के आयोजन के लिए मंजूरी को अनिवार्य बनाने वाला आदेश जारी कर दिया। इस नए आदेश के मुताबिक धार्मिक जुलूस या शोभायात्रा निकालने से पहले आयोजक को अनिवार्य रूप से हलफनामा देना होगा। गौरतलब है कि दिल्ली के जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती के दौरान हुई हिंसा के बाद यूपी सरकार ने एहतियातन कई कदम उठाए हैं। त्योहारों को देखते हुए चार मई तक यूपी पुलिस के फील्ड में तैनात सभी अधिकारियों (थानेदार से लेकर एसपी तक) की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। पहले से छुट्टी पर गए अधिकारियों से 24 घंटे के अंदर ड्यूटी पर लौटने को कहा गया है। सोमवार की देर रात अधिकारियों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को ईद और अक्षय तृतीया पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। ये दोनों त्योहार एक ही दिन पड़ने की संभावना है। धार्मिक जुलूस या शोभायात्रा के लिए इजाजत देने से पहले आयोजक को शांति और सद्भाव कायम रखने का हलफनामा देना होगा। मंजूरी सिर्फ परम्परागत जुलूसों-शोभायात्राओं को दी जाएगी, नए आयोजनों को नहीं।

सीएम योगी ने एसएचओ से लेकर एडीजी स्तर तक के अधिकारियों से अपने इलाके के धार्मिक गुरुओं और सभ्रांत नागरिकों से अगले 24 घंटे के दौरान संवाद करने को कहा है ताकि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही उन्होंने शरारतपूर्ण बयान देने वालों के साथ सख्ती से पेश आने को निर्देश दिया है। सीएम योगी ने कहा है कि धार्मिक कार्यक्रम निश्चित स्थानों पर ही होने चाहिए और इससे ट्रैफिक का मूवमेंट प्रभावित नहीं होना चाहिए।

शब्द नहीं चित्र: ऊपर मटका नीचे लटका

भिलाई। कुम्हार द्वारा बनाया गया देसी फ्रिज इन दिनों भिलाई की शान बढ़ा रही है। ग्राम जेवरा सिरसा कुंभकार द्वारा बनाया जा रहा है बेटी मटका जिसका पानी फ्रिज के पानी से भी ज्यादा ठंडा एवं स्वाष्टि है। इन मटको को आटो में लादकर कुम्भकार परिवार की महिलाएं अच्छी आमदनी की उम्मीद लिये शहरों में बेचने पहुंच रही है। इस दौरान तस्वीर में नजर आ रही महिलाएं मटकों से लदी आटों में सफर के दौरान किस कदर पेट की खातिर अपनी जान जोखिम में डाल रही हैं, इसे बखूबी एहसास किया जा सकता है।

कानन पेंडारी में प्रसव के दौरान शेरनी 'मौसमी' की मौत, इधर बाघिन 'रंभा' ने 4 शवकों को दिया जन्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर शहर से लगा कानन पेंडारी जूलॉजिकल पार्क वन्य प्राणियों के लिए कब्रगाह बन गया है। यहां वन्य जीवों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार का दिन कानन प्रबंधन के लिए खुशी-गम दोनों लेकर लेकर आया, जहां एक तरफ बाघिन रंभा ने चार नन्हे शावकों को जन्मदिन दिया तो वहीं मादा लोयनिस मौसमी ने दम तोड़ दिया। उसके गर्भ में पल रहे दो शावकों की भी मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार 17 अप्रैल 2022 की रात्रि को एक मादा बाघिन (रंभा) ने 4 बच्चों को जन्म दिया। रंभा का जन्म कानन पेंडारी जू में 25 अप्रैल 2015 को हुआ था। मादा बाघिन रंभा ने 11 नवंबर 2018 को दो शवकों (भैरव, दुर्गा) को जन्म दिया था। मादा बाधिन को जंगल सफारी रायपुर से 12 अगस्त 2018 को वन्यप्राणी आदान-प्रदान के तहत लाये गये नर बाघ शिवाजी के साथ मेटिंग कराया गया था। बताया जा रहा है कि वर्तमान में सभी बच्चे स्वस्थ हैं। उन्हें लगातार सतत निगरानी में रखा गया है।

मादा शेरनी मौसमी की प्रसव के दौरान मौत

एक मादा शेरनी मौसमी की प्रसव के दौरान मृत्यु हो गई। मादा शेरनी गर्भ से थी। उसकी सतत निगरानी की जा रही थी। रविवार से मादा शेरनी में प्रसव के प्रारंभिक लक्षण दिखाई दिये। मादा शेरनी मौसमी की प्रसव के दौरान शाम 4.15 बजे मौत हो गई। कानन पेंडारी जू के पशुचिकित्सकों द्वारा शेरनी के नवजात बच्चे को बचाने के लिए तत्काल सिजेरियन किया गया, जिसमें यह पाया गया कि दोनों शावकों की मौत हो गई थी। शेरनी की मृत्यु के बाद संचालक, अचानकमार अमरकंटक बायोस्फियर रिजर्व कोनी एवं परिक्षेत्राधिकारी, कानन पेंडारी जू की उपस्थिति में पशु चिकित्सकों की समिति गठित सदस्य डॉ. आरएम त्रिपाठी, डॉ. अजीत पांडेय, कानन पेंडारी जू एवं कोटमीसोनार के पशु चिकित्सक डॉ. तृप्ति सोनी की उपस्थिति में शव का पीएम किया गया। पशु चिकित्सकों की समिति ने मादा शेरनी की मौत का कारण Dystocia (Breech Presentation) होना बताया है।

दो माह में 7 वन्य जीवों की मौत हो चुकी

बता दें कि इससे पहले 12 फरवरी को मादा हिप्पोपोटामस सहेली की मौत हो गई थी। प्रबंधन और डॉक्टरों ने उसकी वजह की वजह हार्ट अटैक को बताया था। 26 फरवरी को एक नर भालू की मौत हुई उस समय भालू की मौत की वजह निमोनिया बताया गया था। 3 मार्च को घायल बाघिन रजनी की कानन में मौत हो गई। 10 मार्च को दूसरे नर भालू की मौत हो गई। 26 मार्च को फिर एक भालू की मौत हुई। 4 अप्रैल को एक बाघिन की मौत हो गई। बाघ भैरव ने बाघिन चेरी की गला दबाकर जान ले ली। 2 महीने के भीतर कानन पेंडारी में वन्य जीव की यह सातवीं मौत है। लगातार मौतों से पार्क प्रबंधन की व्यवस्थाओं पर सवाल भी उठने लगे हैं।

पुलिस ने आठ नक्सलियों को किया गिरफ्तार, ट्रकों में आग लगाने का था आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर जिले में दो फरवरी को दो ट्रकों को आग लगा देने का मामला सामने आया था। इस मामले में पुलिस ने ट्रकों को आग के हवाले करने वाले आठ नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया इन लोगों की गिरफ्तारी रविवार शाम को कुटरू थाना क्षेत्र के एरामंगी गांव से की गई।

इस मामले में पुलिस ने हुनंगा कवासी (45), वामन पोयम (42), सुखराम पोयामी (36), फगनू माडवी (18), सीतो राम माडवी (26), तुलसी राम माडवी (26), बदरू माडवी और चंद्रू कुहरामी (52) को गिरफ्तार किया है। ये सभी एरामंगी जिले के रहने वाले हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के तहत 17 अप्रैल को थाना कुटरू और डीआरजी का संयुक्त बल सर्च करने के लिए निकला था। इस दौरान ऐरामंगी की ओर सर्च ऑपरेशन के दौरान इन लोगों की गिरफ्तारी की गई।

इस बीच, नक्सलियों ने रविवार रात बीजापुर-दंतेवाड़ा सीमा पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माण कार्य में लगे चार ट्रैक्टरों को आग के हवाले कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगनार गांव के पास घटनास्थल पर करीब 15 वाहन और मशीनरी खड़ी थी। यहां उग्रवादियों ने चार ट्रैक्टरों में आग लगा दी। इस दौरान उग्रवादियों ने काम कर रहे मजदूरों और पंचायत प्रतिनिधियों को ऐसे विकास कार्यों से दूर रहने की चेतावनी दी है।

बीजापुर में नक्सलियों का उत्पात

कई वाहनों में लगाई आग, एक दिन पहले सीएएफ कैंप पर किया था हमला, इलाके में दहशत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर जिले में माओवादियों ने सोमवार की रात फिर उत्पात मचाया है। नक्सलियों ने 3 हाईवा, 2 जेसीबी और 1 पोकलेन को आग हवाले कर दिया। माओवादियों ने जगदलपुर-बीजापुर नेशनल हाईवे-63 से लगे मिंगाचल स्थित रेत खदान में वारदात को अंजाम दिया है। 15 से 20 की संख्या में नक्सली आए और आगजनी की घटना को अंजाम देकर चले गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

मिली जानकारी के मुताबिक नैमेड थाना के मिंगाचल गांव स्थित रेत खदान में माओवादियों ने आगजनी की वारदात को अंजाम दिया है। 15 से 20 की संख्या में सशस्त्र नक्सली रात 11 बजे के आसपास पहुंचे थे। नक्सलियों ने वाहनों के डीजल टैंक को फोड़ दिया और आग के हवाले कर दिया। नक्सली वारदात के बाद इलाके की सर्चिंग बढ़ा दी गई है। माओवादियों ने दंतेवाड़ा-बीजापुर नेशनल हाईवे में वारदात को अंजाम दिया है।

रविवार की रात कैंप पर किया था हमला

बीजापुर जिले में रविवार को माओवादियों ने सीएएफकैंप पर हमला किया था, जिसमें 4 जवान घायल हुए थे। नक्सलियों ने कैंप में रॉकेट लांचर भी दागे थे। मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल दो जवानों का रायपुर में उपचार चल रहा है। वहीं दो जवान बीजापुर के अस्पताल में भर्ती हैं। बीजापुर व दंतेवाड़ा के सरहद पर रविवार को बारसूर क्षेत्र के मंगनार गांव में नक्सलियों ने सड़क निर्माण में लगे 7 ट्रैक्टरों को आग लगा दिया था।

संपादकीय

नफरत से मुकाबला

देश में छह से ज्यादा प्रदेशों में क्या नफरत भरी अभिव्यक्तियों की शृंखला चल रही है? दिल्ली से आंध्र प्रदेश तक और गुजरात से बंगाल तक करीब पंद्रह-बीस घटनाएं ऐसी हैं, जिनकी गंभीरता को समझना राष्ट्रहित में जरूरी है। अगर चल रहे नफरती तीरों के तरकश देखें, तो कोई भी पक्ष निर्दोष नजर नहीं आता है। हर तरफ से हमले तेज हो गए हैं। कटु जवाब देने के साथ ही तत्काल हिसाब बराबर कर देने की जल्दी भी बहुत है। धर्म या मजहब के कथित जानकार और जिम्मेदार लोग भी नफरती बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं। क्या कुछ लोग इतने भटक गए हैं कि मुंह खोलते ही जहर उगलने लगते हैं? क्या कथित धर्मक्षेत्र के लोगों की भाषा में प्रेम व मानवीयता का अभाव नहीं हो गया है? क्या प्रेम के बिना भक्ति या वैश्विक सद्भाव और सबका कल्याण संभव है? खतरे को ऐसे बढ़ाकर लोगों को भड़काया जा रहा है, मानो खतरा बस दरवाजे के बाहर खड़ा हो? हर पक्ष खुद को निर्दोष और पीड़ित मान रहा है। सकारात्मकता की चर्चा बंद करके नकारात्मकता में बराबरी की खोज हो रही है। कानून के विरुद्ध ही नहीं, बल्कि धर्म के विरुद्ध आचरण करने वालों का भी सम्मान करने वाले लोग कौन हैं? हम कैसा समाज बना रहे हैं? ऐसे सवालों का हुजूम उमड़ पड़ा है और दस से ज्यादा राज्यों में खतरे की घंटियां बज रही हैं। कितनी घटनाओं और कितने भटके हुए लोगों का यहां जिक्र करें? सत्संग में बैठने वालों के मुंह से बदजुबानी की सूची लंबी है। जबकि सभी ने बचपन में यह पढ़ा है- रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय, टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गांठ परि जाय। लेकिन अब शायद बहुत से लोग इस दोहे या उसके भाव को भूलने लगे हैं। याद रहे, कट्टरता को भूलकर ही यह देश आगे बढ़ा था और आज विकास की डगर में आगे निकल आया है और अनेक देशों के लिए मिसाल बन गया है। आज लोगों को अनगिनत नकारात्मक टिप्पणियां और उदाहरण याद हैं, पर सकारात्मक टिप्पणियों और सद्भाव के अनगिन उदाहरणों को नजरंदाज करने वाले लोग क्या चाहते हैं? सबसे बड़ा सवाल यह है कि कानून या संविधान क्या कहता है? इन दंगों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी अक्सर यह दावा करती रही है कि उसके राज में दंगे नहीं होते? क्या उसके शासन पर कोई साजिशन दंगे के दाग लगाना चाहता है? सुरक्षा एजेंसियों को अमन बनाए रखने के लिए सक्रिय हो जाना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि नफरती बयार को काबू में करने के लिए हरेक कदम कानून-सम्मत उठाने पड़ेंगे। अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग किसी को नहीं करने देना चाहिए। ऐसे दंगे आर्थिक तरक्की को सीधे प्रभावित करते हैं। युवाओं को सकारात्मक कार्यों में व्यस्त करना जरूरी है। खाली पड़े सरकारी पदों को तत्काल प्रभाव से भरने की जरूरत है। सेना में भर्ती भी जरूरी है, ताकि युवा शक्ति का देश की मजबूती में वाजिब उपयोग हो सके। किसने कितनी नौकरी का वादा किया था, यह बात भूल जाइए, लेकिन गौर कीजिए, एक अनुमान के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकारें अगर चाहें, तो करीब 60 लाख युवाओं को नौकरी मिल सकती है। जिस विकसित भारत का सपना हम देख रहे हैं, उसके लिए अमन-चैन बुनियादी जरूरत है। जो भी देश दुनिया में अपनी मेहनत से विकसित हुए हैं, उनके शासन-प्रशासन से हमें सीखना चाहिए। बेशक, आज विकास के जरूरी तत्वों-संसाधनों को जोड़े रखने के लिए सद्भाव भरे वचनों-वक्तव्यों की जरूरत है।

> “ जिस विकसित भारत का सपना हम देख रहे हैं, उसके लिए अमन-चैन बुनियादी जरूरत है। जो भी देश दुनिया में अपनी मेहनत से विकसित हुए हैं, उनके शासन-प्रशासन से हमें सीखना चाहिए। बेशक, आज विकास के जरूरी तत्वों-संसाधनों को जोड़े रखने के लिए सद्भाव भरे वचनों-वक्तव्यों की जरूरत है।

खंड-खंड से अखंड का मॉडल!

बताते है भारत इन दिनों विश्व गुरू है। भक्त हिंदूओं ने विश्व में भगवा पताका का झंडा गाढ़ दिया है। कुछ दिन पहले ही अपने अवतारी भगवानश्री के जेएनयू में निर्मित हनुमान एस जयशंकर ने अमेरिका को, पश्चिम को दिन में तारे दिखाए। हमारे वैदिकजी की माने तो भारत ने अमेरिका को झुका दिया! जयशंकर ने राष्टपति पुतिन और राष्टपति शी जिन पिंग के अंदाज में अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत पहचान में दुनिया को, खासकर पश्चिमी देशों को नसीहत दी कि वे नए भारत (विश्वगुरू) का सत्य गले उतार ले। भारत को न सीखाएं बल्कि दुनिया भारत से सीखे! भारत से सीखे भाईचारा। भारत से सीखे बुलडोजर विकास। भारत से सीखे पानीपत की लड़ाई से राष्ट्र निर्माण। सचमुच दुनिया में कोई दूसरा देश नहीं है जिसके पास भारत जैसे मॉडल हो। गृहयुद्ध से गृह निमार्ण तो पडौसियों को किस्म-किस्म की गालियों-झगडों से उन्हे अखंड भारत में बाधना! जात, नस्ल, अस्मिता, खजाने को लुटाने की पोपुलिस्ट राजनीति से लेकर संघीय दरारों और पक्ष-विपक्ष की देशभक्त व देशद्रोही राजनीति जैसी शासन प्रवृतियो के मॉडलों को एक साथ अपनाए हुए सचमुच दुनिया का वह वंडर है जिसकी कल्पना बाकि देशों और खासकर विकसित-सभ्य लोकतांत्रिक देशों के नेताओं के लिए संभव ही नहीं।

मैं गांरटी के साथ कह सकता हूं कि हमारे वैदिकजी, मोहनजी की इस विश्वगुरूता को व्हाईट हाउस, व्हाईट हॉल तो क्या संयुक्त राष्ट्र की आम सभा भी नहीं समझ सकती कि- 15 साल में भारत फिर से ‘अखंड भारत’ बनेगा और ये सब हम अपनी आंखों से देखेंगे!‘

वाह! अभूतपूर्व चमत्कारिक भविष्यवाणी! इस अखबार में हमारे वैदिकजी अंखड भारत, आर्यावत भारत के अपने इलहाम को लगातार लिखते रहे है। कुछ महिनों से उन्हे ‘जन-दक्षेश’ और आर्यावत के साझे में खाडी से लेकर थाईलैंड भी दिख रहे है। वे 16 देशों का विशाल संगठन बना रहे है। जन-दक्षेस उसका नाम है। उनका विश्वास है भारत के पास वह है जो किसी और के पास नहीं है। **-हरिशंकर व्यास**

> “ **स्वाभाविक ही आज के वैश्विक परिदृश्य में दंगों के चलते भारत की छवि धूमिल हुई है। यह कहकर कि पश्चिम में भी मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है, हम अपना पल्ला नहीं झाड़ सकते। एक परमाणु संपन्न राष्ट्र का नैतिक होना भी जरूरी है और हमारे बीच एक डरे हुए नागरिक समुदाय की उपस्थिति हमें इस नैतिकता से महरूम करती है।**

पिछले जख्मों के भरने से पहले ही

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

पिछले छह-सात दिनों के दौरान जनसंख्या और क्षेत्रफल के लिहाज से देश का लगभग एक तिहाई हिस्सा एक बार फिर उसी सांप्रदायिक उन्माद का शिकार हो गया, जो पिछले कई सौ वर्षों से उसका पीछा नहीं छोड़ रहा है। यह उन्माद कैसे निर्मित होता है और कब हिंसा में तब्दील हो जाता है, इसे जांचना दिलचस्प होगा। कुछ वर्षों पूर्व जब एक फेलोशिप के तहत मैं सांप्रदायिक हिंसा का अध्ययन कर रहा था, तब यह देखकर चकित रह गया कि एक ही जैसी क्रिया की प्रतिक्रिया अलग-अलग स्थानों पर भिन्न हुई है। मसलन, मैंने एक शहर में पाया कि बाजार में दो सांड़ों के लड़ जाने के बाद वहां भीषणतम दंगे हो गए और कई दिनों तक कर्फ्यू लगाना पड़ा। उसी के बगल में ऐसा कुछ घटा, जिस पर कोई भी दूसरा संवेदनशील इलाका जल सकता था, पर वहां कुछ नहीं हुआ। ऐसा अकारण नहीं होता । मैंने अपने अध्ययन के दौरान पाया कि सांप्रदायिक हिंसा का उभार एक पिरामिड की शक्ल में होता है। यह पिरामिड धीरे-धीरे निर्मित होता है। इस प्रक्रिया में एक ऐसा बिंदु आता है, जब एक पत्थर फेंकने, किसी अंतरधार्मिक विवाह, यहां तक कि दो अलग समुदायों के चालकों की साइकिलों के टकराने भर से दंगा भड़क सकता है। यदि यह पिरामिड निर्मित न हुआ हो, तो बड़ी से बड़ी घटना भी हिंसा नहीं करा पाती।

हालिया दंगों वाले शहरों में हमें बड़ा स्पष्ट दिखाई देता है कि तनाव का पिरामिड उस स्तर तक पहुंच गया था, जहां सिर्फएक छोटी-सी चिनगारी की जरूरत थी और रामनवमी या हनुमान जयंती की ‘शोभा’ यात्राओं ने यह अवसर प्रदान कर ही दिया । दिल्ली में अभी कुछ महीने पहले ही दंगे हुए थे और जख्म पूरी तरह से भरे नहीं थे। खास तौर से अल्पसंख्यक समुदाय के मन में पुलिस के आचरण को लेकर कसक बाकी है। बहुत लोग हैं, जो अभी भी पुलिस को निष्पक्ष तथा कानून को लागू करने वाली एजेंसी मानने के लिए तैयार नहीं हैं।

मैंने राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और बिहार के जिन हिस्सों में हिंसा की घटनाएं घटीं, उनको बारीकी से समझने की कोशिश की। मुझे कोई आश्चर्य नहीं हुआ कि हर जगह हिंसा का पिरामिड उस बिंदु पर था, जहां एक छोटा-सा पत्थर बड़े दंगे का कारण बन सकता था। यह सवाल लाजिमी है कि तनाव का यह पिरामिड कोई रातोंरात तो बना नहीं होगा, धीरे-धीरे बिगड़ती स्थितियों को संभालने की कोशिश राज्य द्वारा क्यों नहीं की गई? कुछ मामलों में तो साफ समझ आ रहा था कि राज्य के कुछ अंगों द्वारा न सिर्फ आपराधिक लापरवाही बरती गई, बल्कि कई तो आग भड़काने में लगे दिखते हैं। खास तौर से राज्य की सबसे दृश्यमान अंग पुलिस पिरामिड को ऊपर बढ़ने से रोकने में सबसे अधिक असहाय नजर आती है। शायद इसका सबसे बड़ा कारण पुलिस के रोजमर्रा के कामों में बढ़ता राजनीतिक हतक्षेप है। स्वाभाविक है, अगर राज्य का प्रभावी विमर्श सांप्रदायिक हिंसा का पक्षधर है, तो पुलिस भी उसे रोकने के अपने कानूनी दायित्व से विमुख हो सकती है।

भारतीय समाज में धार्मिक जुलूस सौ साल से भी अधिक समय से दोनों समुदायों के बीच तनाव बढ़ाने के सबसे बड़े कारण रहे हैं और इसीलिए हर राज्य में पुलिस ने स्थानीय जरूरतों के मुताबिक इन जुलूसों के प्रबंधन के लिए रणनीति बना रखी है। हर पुलिस थाने में एक अलग रजिस्टर में इस रणनीति के तहत कुछ सूचनाएं दर्ज की जाती हैं। इनमें जुलूस की तिथि, मार्ग, भाग लेने वालों की संख्या, जुलूस में लगने वाले नारे या बजाए जाने वाले वाद्ययंत्र जैसे विवरणों का इंद्राज होता है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस थानों से अपेक्षा की जाती है कि त्योहार के पहले वे सभी संबंधित पक्षों के साथ बैठकें करेंगे, उन्हें निर्धारित रूट, भाग लेने वालों की संख्या या नारों के बारे में सहमत करेंगे और जरूरत पड़ने पर आयोजकों व असामाजिक तत्वों को कानूनी प्रावधानों के तहत पाबंद करेंगे।

जो विजुअल मुख्यधारा के मीडिया या सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं, उनसे कम से कम दिल्ली और खरगोन में स्पष्ट है कि जुलूस में शामिल लोग भड़काऊ नारे लगा रहे थे, खास तौर से जब वे विशेष आबादी वाले इलाकों से गुजरे या किसी पूजा स्थल के सामने पहुंचे। मेरे पास यह जानने का कोई साधन नहीं है कि स्थानीय पुलिस ने रामनवमी या हनुमान जयंती के आयोजकों के सामने रूट या नारों को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं या नहीं, पर मेरा पुराना अनुभव कह रहा है कि कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने जरूर उन्हें अपनी मंशा से अवगत करा दिया होगा। पर यह स्पष्ट था कि वे इन शर्तों का उल्लंघन कर रहे थे। उन्हें पूरा विश्वास था कि पुलिस उनके खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं करेगी और पुलिस ने उन्हें निराश भी नहीं किया।

एक सामान्य बात हर घटनास्थल पर दिखी। हर जगह अल्पसंख्यक आबादी की छतों और पूजा स्थलों से पथराव हुए। क्या इसे उनके उग्र और हिंसक समुदाय होने के सुबूत के तौर पर देखा जाना चाहिए? मुझे लगता है, ऐसा मानना सरलीकरण होगा। कहीं ऐसा तो नहीं कि एक डरा हुआ समुदाय, जिसे राज्य पर बहुत भरोसा नहीं है, अपनी सुरक्षा के लिए खुद इंतजाम करने की सोचने लगा है? अपने घर या पूजास्थल के पास खड़ी भीड़ को उत्तेजक नारे लगाते देखकर अक्सर वह पहला पत्थर फेंक देता है। यदि उसे यह भरोसा हो कि उसकी जान को खतरा हुआ, तो राज्य उसकी सुरक्षा करेगा, तब शायद वह अपनी छतों पर ऐसे इंतजाम नहीं करेगा। यह एक ऐसा विषय है, जो लंबे समाजशास्त्रीय अध्ययन की मांग करता है।

यह याद रखना चाहिए कि पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे एक राष्ट्र में सांप्रदायिक हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। स्वाभाविक ही आज के वैश्विक परिदृश्य में दंगों के चलते भारत की छवि धूमिल हुई है। यह कहकर कि पश्चिम में भी मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है, हम अपना पल्ला नहीं झाड़ सकते। एक परमाणु संपन्न राष्ट्र का नैतिक होना भी जरूरी है और हमारे बीच एक डरे हुए नागरिक समुदाय की उपस्थिति हमें इस नैतिकता से महरूम करती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विदेश नीति के मोर्चे पर कथनी करना का मिटता अंतर

संदीपन देब, वरिष्ठ पत्रकार

भारत के लिए पिछला हफ्ता निश्चित तौर पर विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर के नाम रहा। किसी अन्य विदेश मंत्री का नाम बमुश्किल याद आता है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के रुख को इतनी मजबूती से व्यक्त किया हो। भारत और अमेरिका के विदेश व रक्षा मंत्रियों के बीच ‘टू प्लस टू’ वार्ता को लेकर कुछ विश्लेषकों का मत था कि अभी इन बैठकों के लिए माकूल वक्त नहीं है। यूक्रेन-रूस विवाद में तटस्थ बने रहने के कारण अमेरिका भारत से खफा था। भारत को ‘परिणाम भुगतने’ की चेतावनी दी गई थी। कहा गया था कि वाशिंगटन में विदेश मंत्री जयशंकर पर हर तरह के दबाव डाले जाएंगे। मगर आखिरकार अमेरिका को ही अपना लहजा नरम करना पड़ा, भारतीय विदेश मंत्री अपने रुख से एक इंच भी पीछे नहीं हटे।

एस जयशंकर ने वैश्विक मीडिया के सामने अपने धारदार अकाट्य तर्क रखे और उनको निरुत्तर कर दिया। अल-जजीरा के एक संवाददाता ने जब रूस से तेल की खरीद को लेकर नई दिल्ली की आलोचना की, तब एस जयशंकर का जवाब था- यदि आपकी नजर (भारत द्वारा) रूस से की जाने वाली ऊर्जा खरीद पर है, तो मेरा सुझाव है कि आपको अपना ध्यान यूरोप पर लगाना चाहिए। आंकड़ों को देखकर मुझे यही लगता है कि यूरोप एक दोपहर में जितना तेल खरीदता है, हम उतना एक महीने में भी नहीं खरीदते। यह पूछे जाने पर कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन कह रहे हैं कि अमेरिका भारत सरकार, पुलिस और जेल अधिकारियों द्वारा मानवाधिकार हनन के बढ़ते मामलों पर नजर रख रहा है, भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, सभी को हमारे बारे में राय रखने का अधिकार है, लेकिन हम भी समान रूप से अमेरिका सहित तमाम मुल्कों में मानवाधिकारों की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक दिन पहले ही दो भारतवंशी अमेरिकी सिख पुरुषों के खिलाफ ‘घृणा अपराध’ के तहत जानलेवा हमला किया गया। इसके अगले दिन हॉवर्ड यूनिवर्सिटी में वह पहले ऐसे विदेश मंत्री बने, जिन्होंने भारत को ‘सभ्यतावादी राष्ट्र’ कहा।

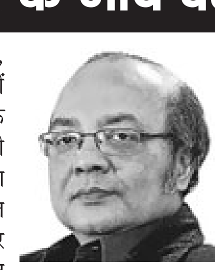

मई 2019 में नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद से जयशंकर ने अपनी कथनी और करनी से उस अंतर को खत्म कर दिया है, जो अक्सर भारत की विदेश नीति और मंत्रियों के बीच दिखती रही है। वह मृदुभाषी, लेकिन दृढ़-निश्चयी साबित हुए हैं। दूसरों को नीचा दिखाने के पश्चिम (और चीन) के परंपरागत व्यवहार के खिलाफवह स्थापित करते रहे हैं कि यह एक नया भारत है और हम रिश्तों की शर्तों को बदल रहे हैं। अक्तूबर 2019 में वाशिंगटन स्थित थिंक-टैंक अटलांटिक कौंसिल का उनका वक्तव्य अब ‘जयशंकर सिद्धांत’ के रूप में जाना जाता है। उसमें उन्होंने जोर देकर कहा था कि यह भारत और पश्चिम के बीच एक नए समझौते का समय है, लेकिन पहले पश्चिम को यह महसूस करना होगा कि एक नए समझौते की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि अब वह भारत नहीं रहा, जिसको लेकर पश्चिम आश्वस्त रहा करता था। यह ऐसा भारत है, जो अपने हितों की रक्षा करना जानता है और यह अब पश्चिम की हर रीति-नीति का समर्थन नहीं करने वाला।

जयशंकर ने इस सिद्धांत को विस्तार से अपनी किताब द इंडिया वे : स्ट्रैटेजीज फॉर एन अनसर्टेन वर्ल्ड में बताया है। उन्होंने लिखा है, राष्ट्रीय हितों पर जोर देना और विभिन्न माध्यमों से अपने कूटनीतिक लक्ष्यों को हासिल करना एक राष्ट्र का धर्म है। भारत को ‘सियासी रूमानियत’ से बाहर निकलना चाहिए व वास्तविक राजनीतिक नजरिये से सोचना चाहिए। विश्व दरअसल एक ऐसा बाजार है, जिसमें न कोई स्थायी दोस्त होता है और न दुश्मन। इसलिए भारत को वैश्विक विरोधाभासों से बनाए गए अवसरों की पहचान करके उनका दोहन करना चाहिए और अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाना चाहिए।

यह निश्चित रूप से ऐसी भू-राजनीतिक रणनीति है, जिसका चीन ने दशकों से सफलतापूर्वक पालन किया है, और जयशंकर इसे बखूबी जानते और समझते हैं। संक्षेप में कहें, तो वह जो कह रहे हैं, और आधुनिक इतिहास में माओत्से तुंग से लेकर शी जिनपिंग तक हर चीनी नेता ने उदाहरण देकर जो समझाया है, वह यह है कि भारतीय विदेश नीति एकमात्र नीति है, जो पश्चिम के नियमों से बंधी नहीं है और अपने हितों को लेकर प्रतिबद्ध है। भारत ने अमूमन संकोची रुख अपनाकर, आक्रमक तरीके से विरोध जताने के बजाय डांवांडोल नैतिक मूल्यों का चयन करके और अपनी सदियों पुरानी विरासत और अहिंसा की दुहाई देकर हमेशा से रणनीतिक चूक की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर अब उन गलतियों और चूक गए अवसरों की भरपाई फॉर्मूला वन की गति से कर रहे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

क्या मुझमें ही थी सारी कमिया, तुममें नहीं था कोई दोष।

-अंजली जैन
7024460938

कब मिलेगा भूखमरी और गरीबी से निदान?

विकास कुमार

आज 21 वी शताब्दी के दौर में पूंजी का केंद्रीकरण होता जा रहा है। इसके संचय के लिए आधुनिक मानव विविध प्रकार के सही गलत हथकंडे अपना रहा है। केवल एक ही उद्देश्य के लिए, पूंजी का संचय कैसे हो और कितना हो? एक ओर आबादी का कुछ हिस्सा विकास के सूचकांक में उन्नतोदर वृद्धि कर रहा है तो दूसरी ओर अवनति देखने को मिल रही है। इस अवनति से विविध प्रकार के मानवीय मानसिकता को कुंठित करने वाली समस्याएं उत्पन्न हो रही है। जो वर्तमान समय की सर्वाधिक कठिन समस्याओं में से एक गरीबी और गरीबी का दूसरा आया भुखमरी। इसको पलट करके भी देखा जा सकता है भुखमरी से उत्पन्न गरीबी जैसे कहीं बात दोनों एक हैं। आज प्रत्येक देश हथियारों में एवं तकनीकों के विकास में अपने राष्ट्रीय आय का अधिकतम व्यय करता है। परंतु वहीं पर आधी से अधिक मानव जाति न्यूनतम सुविधाओं से भी वंचित हो रही है। उनकी यह आवश्यकताएं कब पूरी होंगी। इसका जवाब नाही लेखक के पास है और ना ही लेख पढ़ने वालों के पास। तकनीकी प्रधान और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित दुनिया में हम उन मूलभूत आवश्यकताओं को भूलते जा रहे हैं जो जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स के आंकड़े को सच माना जाए तो प्रतिदिन 3000 से अधिक बच्चे भूख से मर जाते हैं। इसका तात्पर्य हुआ की भूख से मरने वाले बच्चों का ग्लोबल इंडेक्स 23 प्रतिशत केवल भारत को ही दर्शाता है। भूख के मामलों में भारत की स्थिति नेपाल और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों से भी खराब है। दुनिया भर में जहां करीब 5000000 बच्चे कुपोषण के चलते जान गवाते हैं। वही गरीब देशों में 40 प्रतिशत बच्चे कमजोर शरीर और दिमाग के साथ बड़े होते हैं संयुक्त राष्ट संघ की रिपोर्ट यह दर्शाती है कि पचासी करोड़ 30 लाख लोग भुखमरी का शिकार है। इसमें केवल भारत का आंकड़ा देखा जाए तो लगभग 20 करोड़ से ज्यादा है। जबकि संयुक्त राष्ट संघ की विशिष्ट एजेंसी खाद्य एवं कृषि संगठन यानी एफएओ की एक रिपोर्ट बताती है कि रोजाना भारतीय 244 करोड़ रुपए यानी पूरे साल में 89060 करोड़ रुपए का भोजन बर्बाद कर देते हैं। इतनी रात में 20 करोड़ से कहीं अधिक भुखमरी से मरने वाले लोगों का पेट भर सकता है। कोरोनावायरस के बाद लोगों के कमाई के साधन बंद हो गए हैं जिसमें की कई परिवारों की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी नहीं हो पा रही है। इस अवधारणा का शिक्षा पर भी प्रभाव देखने को मिला है क्योंकि जो परिवार भुखमरी और गरीबी के कलह से जूझ रहा है शिक्षा दिला पाना बच्चों को उसके लिए बड़ी बात हो जाती है। सतत विकास की अवधारणा (2015) के 15 बिंदुओं में मूलभूत शिक्षा, भुखमरी से निदान और गरीबी रेखा से ऊपर उठाने जैसे बिंदुओं को सम्मिलित किया गया है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मुख्यमंत्री की घोषणा पर त्वरित अमल : जालबांधा उप तहसील कार्यालय प्रारंभ

रायपुर। मुख्यमत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर खैरागढ़ अंतर्गत जालबांधा में उप तहसील कार्यालय प्रारंभ कर दिया गया है। साथ ही तहसील कार्यालय खैरागढ़ में पदस्थ/कार्यरत नायब तहसीलदार रश्मि दुबे को आगामी आदेश पर्यन्त उप तहसील कार्यालय, जालबांधा में पदस्थ किया गया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 16 अप्रैल को अपने निवास कार्यालय में खैरागढ़ से आए लोगों को सम्बोधित करते हुए खैरागढ़-छुईखदान-गंडई को जिला बनाने तथा जालबांधा को उप तहसील का दर्जा देने की भी घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की घोषणा पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर राजनांदगांव द्वारा जालबांधा में उप तहसील कार्यालय के लिए नायब तहसीलदार को पदस्थ करते हुए उप तहसील का संचालन करने का आदेश जारी किया गया है।

चेम्बर की मांग पर नगर निगम की संपत्तियों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड करने पर मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि चेम्बर की मांग पर आज छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए नगर निगम की संपत्तियों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड किया गया, इस निर्णय का छत्तीसगढ़ चेंबर ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी का आभार व्यक्त किया। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने इस निर्णय का प्रदेश भर के व्यापारियों की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि नगर निगम की संपत्तियों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड करना एक ऐतिसाहिक निर्णय है, इससे प्रदेश की जनता और व्यापारियों को मालिकाना हक मिलेगा एवं शासन को भी अधिक राजस्व की प्राप्ति होगी। पारवानी ने कहा कि प्रदेश के प्रमुख शहरों में नगर निगम सीमा अंतर्गत स्थित लगभग सभी बाजार नगर निगम के द्वारा लीज पर दिये गये हैं जो अब फ्री होल्ड होने पर संपत्ति धारित व्यक्ति को अपनी इच्छा और आवश्यकतानुसार उसका संचालन कर सकेगा एवं व्यापार-व्यवसाय को गति मिलेगी। फ्री होल्ड संपत्ति के मुख्य लाभों में से एक यह है।

अधिक से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की परिधि में लाया जाएगा- कलेक्टर

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार ने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की परिधि में लाया जाना है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत ऐसे लाभार्थीयों को जो केसीसी नहीं ले रहे है, उन्हे केसीसी उपलब्ध कराने हेतु 24 अप्रैल से 1 मई तक विशेष अभियान चला कर केसीसी उपलब्ध कराया जाना है। कलेक्टर ने बताया कि इस अभियान से संबंधित अधिकारियों की बैठक कल 19 अप्रैल को समय-सीमा बैठक के पश्चात रेडक्रॉस सभाकक्ष में आयोजित है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा है।

जिले में 4 लाख 88 हजार 970 व्यक्तियों को दिया गया रोजगार

श्रमिकों को रोजगार देने में राजनांदगांव जिला प्रदेश में अव्वल

श्रमिकों को रोजगार देने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए गए

डबरी निर्माण, नरवा बंधान, कुंआ निर्माण, शेड निर्माण, नया तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण के कार्य किए जा रहे

लॉकडाउन के दौरान भी श्रमिकों को मिला रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत प्रदेश में राजनांदगांव जिले में सर्वाधिक श्रमिकों को रोजगार दिया गया है। श्रमिकों को रोजगार देने में राजनांदगांव जिला प्रदेश में अव्वल रहा है। जिले में श्रमिकों को रोजगार देने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए गए हैं।

जिसके सार्थक परिणाम रहे और विभिन्न क्षेत्रों में श्रमिकों को कार्य मिला। राजनांदगांव जिला पंचायत द्वारा 814 ग्राम पंचायतों में 4 लाख 88 हजार 970 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया गया है।

जिले में 100 दिवस का रोजगार प्राप्त करने वाले परिवारों की संख्या 55 हजार 78 है। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री लोकेश चंद्राकर के निर्देशन में श्रमिकों को रोजगार देने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। जिले में कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान भी श्रमिकों को रोजगार प्रदान किया गया। जिससे पलायन को रोकने में मदद मिली। वहीं अन्य राज्यों से जिले में आए श्रमिकों को भी रोजगार प्रदान किया गया। राज्य एवं केन्द्र शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 100 प्रतिशत से भी अधिक 109 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की गई।

जिसमें कुल 8 करोड़ 55 लाख रूपए की राशि अर्जित किया गया। रोजगार देने में प्रति परिवार औसत मानव दिवस 67.18 प्रतिशत रहा है, जो प्रदेश में सर्वाधिक है। जिले में 1 लाख मानव दिवस रोजगार का सृजन महिलाओं द्वारा किया गया। डबरी निर्माण के माध्यम से जल स्तर बढ़ाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

लॉकडाउन के दौरान भी श्रमिकों को मिला रोजगार

उल्लेखनीय है कि जिले में डबरी निर्माण, नरवा बंधान, कुंआ निर्माण, शेड निर्माण, नया तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण जैसे कार्य मनरेगा के तहत किए जा रहे हैं। श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर व्यापक रूप से रोजगार उपलब्ध कराया गया। राजनांदगांव जिले के अंबागढ़ चौकी विकासखंड में 42 हजार 751 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया। इसी तरह छुईखदान विकासखंड में 81 हजार 704 व्यक्तियों को, छुरिया विकासखंड में 72 हजार 199 व्यक्तियों को, डोंगरगांव विकासखंड में 32 हजार 336 व्यक्तियों को, डोंगरगढ़ विकासखंड में 53 हजार 509 व्यक्तियों को, खैरागढ़ विकासखंड में 68 हजार 165 व्यक्तियों को, मानपुर विकासखंड में 43 हजार 191 व्यक्तियों को, मोहला विकासखंड में 41 हजार 62 व्यक्तियों को तथा राजनांदगांव विकासखंड में 54 हजार 53 व्यक्तियों को रोजगार दिया गया।

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई को जिला बनाए जाने पर क्षेत्रवासियों ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज शाम यहां उनके निवास कार्यालय में जिला निर्माण संघर्ष समिति, खैरागढ़ के प्रतिनिधिमण्डल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने खैरागढ़-छुईखदान-गंडई को जिला बनाए जाने की घोषणा पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार जताते हुए उन्हें पुष्पहार व प्रतीकचिन्ह भेंट किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि नवीन जिला गठन होने की घोषणा से क्षेत्र के लोगों में हर्ष की लहर है। जिला निर्माण की बहुप्रतीक्षित मांग पूर्ण होने से अब शासकीय योजनाओं का लाभ लोगों को बेहतर तरीके से मिल सकेगा।

राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि से जुड़ी सेवाओं तक आम नागरिक पहुंच बढ़ेगी। साथ ही प्रशासनिक विकेंद्रीकरण का लाभ मिलने से क्षेत्र का बेहतर विकास होगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मण्डल के सदस्य विनोद तिवारी तथा जिला निर्माण संघर्ष समिति, खैरागढ़ के संयोजक शिरीष मिश्रा, अशोक मूणत, मोहम्मद खलील कुरेशी, रामकृष्ण शास्त्री, सुबोध पांडेय, फारुख मेमन, दिलीप श्रीवास, नितिन जैन और अनिल जैन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

निगम क्षेत्र में निर्मित कला एवं सांस्कृतिक भवन के संचालन के लिए सांस्कृतिक समितियों से निविदा आमंत्रित

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र अंतर्गत निर्मित कला एवं सांस्कृतिक भवन में मौजूद अलग-अलग हॉल को सांस्कृतिक क्षेत्र में रूचि रखने वाली समितियों को किराये पर दिए जायेंगे। इसके लिए कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा 27 अप्रेल 2022 को दोपहर तीन बजे तक बंद लिफाफे में निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित की गई है। निविदा को 27 अप्रेल को ही शाम चार बजे खोली जायेगी। जिला शिक्षा अधिकारी जी.पी.भारद्वाज ने बताया कि कला एवं सांस्कृतिक भवन में छह हॉल स्थित है। उक्त हॉलों को अलग-अलग कला एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में रूचि रखने वाले पंजीकृत समितियों को निर्धारित शर्तों पर किराये पर देने के लिए निविदा मंगाई गई है।

महाराष्ट्र को गारे पेलमा-2 कोल ब्लाक के लिए नियमानुसार क्लियरेंस दिया जाएगाः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री बघेल से महाराष्ट्र के उर्जा मंत्री राउत ने की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से महाराष्ट्र के उर्जा मंत्री नितिन राउत ने मुलाकात कर महाराष्ट्र की उर्जा संबंधी जरूरतों पर विस्तृत विचार विमर्श किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने महाराष्ट्र की उर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए गारे पेलमा सेक्टर-2 कोल ब्लाक के क्लीयरेंस के लिए नियमानुसार यथासंभव जल्द मदद करने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री निवास में हुई मुलाकात में महाराष्ट्र के उर्जा मंत्री श्री राउत ने बताया कि छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले की गारे पेलमा कोल ब्लाक गारे पेलमा सेक्टर-2 महाराष्ट्र की विद्युत कम्पनी (महाजेनको) को आबंटित है। महाराष्ट्र में विद्युत उत्पादन के लिए कोयला की आपूर्ति इस कोल ब्लाक से की जानी है, जिससे आने वाले समय में कोयले की आपूर्ति की निरंतरता बनी रहे।

महाराष्ट्र के उर्जा मंत्री ने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से कोल ब्लाक से संबंधित सभी औपचारिकताओं को जल्द पूर्ण कराने का आग्रह करते हुए इस कोल ब्लाक के लिए वन व्यपवर्तन और राज्य शासन की अनुशंसा का अनुरोध भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, उर्जा सचिव श्री अंकित आनंद, महाराष्ट्र के विद्युत कम्पनी (महाजेनको) के सीएमडी श्री संजय खंडारे, डायरेक्टर श्री पुरषोत्तम जाधव, एक्जिक्यूटिव डारेक्टर श्री नितिन बाघ उपस्थित थे।

एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना

रायपुर। प्रदेश में बढ़ते तापमान के बीच एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की भी संभावना है। स्थानीय मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि प्रदेश के उत्तर में पश्चिमी और दक्षिण छग में दक्षिणी हवा का आगमन बना हुआ है। जिसके कारण 19 अप्रैल को छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। वर्षा का क्षेत्र मुख्यत: दक्षिण छग रहने की सम्भावना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। लेकिन वृद्धि का ट्रेंड लगातार बने रहने की संभावना है। प्रदेश के प्रमुख शहरों के तापमान की बात करें तो राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान आज 42 डिग्री रहा, जबकि माना में 41.3 डिग्री, बिलासपुर 42.7 डिग्री, पेण्ड्रारोड 41.4 डिग्री, अंबिकापुर 40.9, जगदलपुर 37.6, दुर्ग 41.2 एवं राजनांदगांव में 43 डिग्री तापमान रहा। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान आज जिला मुंगेली में 43.8 डिग्री दर्ज किया गया है।

एक बार आकर जरूर देखें
अन्य कम्पनी के मुकाबले
30% से 40% रेटकम
हर साईज में तैयार, हर बजट में
FANCY MATTRESS
4,5,6,8 स्प्रिंग बोंडेट फोम
हम वारंटी नहीं, गारंटी देते है।
30% से 50% तक
1 से 10 साल तक गारंटी
संजय रुई भंडार
मेन रोड, पंडरी, रायपुर
98279 76266, 7987918262

भूपेश बघेल ने सरकारी अस्पतालों में जेनेरिक दवाईयों की बजाय ब्रांडेड दवाई लिखने पर जताई कड़ी नाराजगी

सरकारी अस्पतालों में ब्रांडेड दवाईयां लिखने पर होगी कड़ी कार्रवाई

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग की बजाय ले-आउट पास करने का अधिकार अब नगर निगम को

नगरीय निकायों की सम्पत्तियों को फ्री-होल्ड करने के निर्देश

नगरीय निकाय के मुख्य नगर पालिका अधिकारी होंगे राजपत्रित अधिकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा पर्यावरण एवं आवास विभाग की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने बैठक में श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना की समीक्षा के दौरान सरकारी अस्पतालों में जेनेरिक दवाईयों की बजाय ब्रांडेड दवाई लिखने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जो सरकारी डॉक्टर ब्रांडेड दवाईयां लिखते हैं उन पर कड़ी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रमुख सचिव स्वास्थ्य ने तत्काल सभी कलेक्टरों और सीएमएचओ को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि यह सुनिश्चित करें की डॉक्टर सिर्फ जेनेरिक दवाईयां ही लिखे। मुख्यमंत्री को यह जानकारी मिली थी कि बार-बार हिदायत के बावजूद डॉक्टर जेनेरिक की बजाय ब्रांडेड दवाईयां लिख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि लोगों को सस्ती दवाईयां मिलें, इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर शुरू किए हैं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में इस योजना के तहत 159 मेडिकल स्टोर संचालित हैं। इन मेडिकल स्टोर्स के माध्यम से अब तक विक्रय की गई दवाईयों से लगभग 17 लाख 92 हजार नागरिकों के 17 करोड़ 38 लाख रूपए की बचत हुई है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की 9 नगर निगमों में 500 वर्ग मीटर तक के आवासीय प्लॉटस पर निर्माण हेतु ऑनलाईन भवन अनुज्ञा प्रणाली लागू की गई है, जिसके माध्यम से अब तक 3771 भवन अनुज्ञा जारी की गई है। बैठक में मुख्यमंत्री ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत नगरीय निकायों द्वारा नागरिकों को दी जाने वाली अधिक से अधिक सेवाओं को ऑनलाईन करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ले-आउट पास करने का अधिकार अब नगर निगम को सौंपा जाएगा। अब तक टाउन एडं कंट्री प्लानिंग विभाग द्वारा ले-आउट पास किया जाता था। नागरिकों को किसी भी काम के लिए दो कार्यालयों के चक्कर नही लगाने पड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने नगरीय निकायों की सम्पत्तियों को फ्री-होल्ड करने के भी निर्देश दिए। अब तक नगरीय निकायों की सम्पत्ति लीज पर दी जाती है। इस निर्णय से लाखों नागरिक लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान आम नागरिकों की सहूलियत और प्रशासनिक काम-काज के सुचारू संचालन की दृष्टि से अनेक महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अब नगरीय निकाय के मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजपत्रित अधिकारी घोषित किए जाएंगे। बैठक में नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया ने मुख्यमंत्री से मुख्य नगरपालिका अधिकारी को राजपत्रित अधिकारी घोषित करने की मांग की थी, जिस पर मुख्यमंत्री ने सहमति प्रदान कर दी है।

बैठक में रायपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ ने बताया कि रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के 2544 आवास पूर्ण हो चुके हैं। इन्द्रप्रस्थ योजना फेस-2 में 2416 ईडब्ल्यूएस एवं एलआईजी प्लेट्स का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। कमल विहार योजना सेक्टर-4 में 128 ईडब्ल्यूएस प्लेट्स का निर्माण हो गया है। उक्त प्लेट्स हेतु एप्रोच रोड का निर्माण 30 अप्रैल 2022 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के आयुक्त ने बताया कि मंडल द्वारा प्रक्रियाओं का सरलीकरण करते हुए ऑनलाईन पंजीयन, भुगतान एवं आबंटन प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। भवनों की किश्त, रख-रखाव शुल्क, जलकर आदि की राशि, एमआर बुक के स्थान पर पीओएस मशीन के माध्यम से प्राप्त की जा रही है। वर्तमान में मंडल की 44 परियोजनाओं में संपत्तियों का विक्रय ऑनलाईन वेबसाईट/एप के माध्यम से किया जा रहा है। कुल 796 संपत्तियों मूल्य रूपए 227.40 करोड़ का विक्रय ऑनलाईन माध्यम से किया गया है।

बैठक में नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव अलरमेलमंगई डी., आयुक्त, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल डॉ अयाज भाई तम्बोली, टाउन एन्ड कंट्री प्लानिंग के संचालक जय प्रकाश मौर्य, सूडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौमिल रंजन चौबे सहित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

खास खबर

देश में तंबाकू नियंत्रण नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु रायपुर में आयोजित हुई क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला

रायपुर। क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन रायपुर में इंसटीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ बैंगलुरु, इंडियन अलायंस, द यूनियन, पं0 जवाहर लाल नेहरु चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर एवं इंडियन एसोशिएशन ऑफ प्रिवेन्टींग एण्ड सोशल मेडिसीन रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य देश में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम और तंबाकू नियंत्रण नीतियों के क्रियान्वयन को समझने और देश के विभिन्न जनसांख्यिकीय क्षेत्रों में तंबाकू नियंत्रण नीतियों के क्रियान्वयन में विभिन्न चुनौतियों को समझना एवं आगामी रणनीति तैयार किया जाना है। कार्यशाला सत्र का शुभारंभ नीरज बंसोड, संचालक स्वास्थ्य सेवाएँ छत्तीसगढ़ एवं डॉ. तृप्ति नागरिया अधिष्ठाता पं. जेएनएम मेडिकल कॉलेज रायपुर ने किया और तंबाकू नियंत्रण नीतियों में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। साथ ही तंबाकू नियंत्रण की दिशा में आने वाली चुनौतियों के संबंध में चिंता व्यक्त की गई। अधिष्ठाता चिकित्सा महाविद्यालय ने महिलाओं द्वारा तंबाकू उपयोग किये जाने पर चिंता व्यक्त करते हुये महिलाओं को तंबाकू से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से अवगत कराया। डॉ. तृप्ति नागरीया, अधिष्ठाता पं. जवाहरलाल स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय ने बताया कि आने वाली पीढ़ी को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिए महिलाओं के द्वारा तंबाकू उपयोग को रोकने हेतु विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। डॉ. प्रगति हेब्बार सहायक निदेशक, आईपीएच, बेंगलुरू ने बताया कि आईपीएच द्वारा इस परामर्श कार्यशाला का आयोजन अनुष्ठाना परियोजना के अंतर्गत किया गया है। यह कार्यशाला इस बात पर केंद्रित है कि देश भर में तंबाकू नियंत्रण नीतियों को कैसे लागू किया जा रहा है और इसे और बेहतर कैसे किया जा सकता है।

संस्कृति विभाग ने धमधा के प्राचीन किला के संरक्षण के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को लिखा पत्र

रायपुर। संस्कृति विभाग ने दुर्ग जिले अंतर्गत धमधा के बड़ा तालाब स्थित महामाया मंदिर के पास 13वीं शताब्दी में निर्मित किला के संरक्षण के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रायपुर मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद् को पत्र लिखकर किला के संरक्षण के लिए अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि यह किला 13वीं शताब्दी निर्मित है। जिसे वर्ष 1935 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित किया गया था, लेकिन 1962 में इस किला को संरक्षित सूची से हटा दिया गया। यह किला संरक्षण के अभावा में जीर्ण-शीर्ण हो रहा है अर्थात् ढह रहा है। संस्कृति विभाग द्वारा ढह रहे इस किला के संरक्षण-अनुरक्षण के लिए आवश्य कार्यवाही करने की अपील की गई है। गौरतलब है कि राज्य सरकार पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को चिन्हाकिंत कर संरक्षित एवं संवंर्धित करने की दिशा विशेष रूप से कार्य कर रही है।

पांच नगरों में नदियों के प्रदूषण से बचाने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा पांच नगरों से प्रवाहित होने वाली नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए सीवरेज उपचार संयत्र स्थापित करने 85 करोड़ 85 लाख 49 हजार की राशि स्वीकृत की गई है। सीवरेज उपचार संयत्र नगरपालिका गोबरा नवापारा में नगर पंचायत राजिम और नगर पंचायत धमतरी में महानदी पर स्थापित किये गये है। इसी तरह नगरपालिका कांकेर के अंतर्गत दूध नदी, नगरपंचायत सिगमा में शिवनाथ और नगरपालिका चांपा में हसदेव नदी पर सीवरेज उपचार संयत्र स्थापित किये गये है।

राज्यपाल सुश्री उइके ने एनआईसी छत्तीसगढ़ की वार्षिक पुस्तिका 'डिजिटल पाथवे' का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने राजभवन में एन.आई.सी छत्तीसगढ़ की वार्षिक पुस्तिका ''डिजिटल पाथवे'' का विमोचन किया। कार्यक्रम के अवसर पर एन.आई.सी की महानिदेशक डॉ. नीता वर्मा ने एन.आई.सी द्वारा राज्य स्तर एवं जिला स्तर पर प्रदान किए जा रहे डिजिटल सेवा के संबंध में जानकारी प्रदान की।

राज्यपाल सुश्री उइके ने एनआईसी की महानिदेशक डॉ. नीता वर्मा एवं एनआईसी छत्तीसगढ़ के समस्त कर्मचारियों को वार्षिक पुस्तिका के विमोचन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में एनआईसी की महत्वपूर्ण भूमिका है। सुश्री उइके ने कहा कि एनआईसी द्वारा उपलब्ध कराई गई डिजिटल सेवा कोविड-19 के दौर में काफी मददगार रही। डिजिटल सेवा के बदौलत ही तमाम कार्यों का आनलाईन संपादन किया जा सका। स्कूल एवं कॉलेज की पढ़ाई निरंतर जारी रही।

उन्होंने कहा कि एनआईसी द्वारा सरकारी कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए एवं नागरिक सेवाओं का समय पर संपादन करने के लिए विकसित किए गए तकनीकों का क्रियान्वयन होना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एनआईसी द्वारा विकसित किए गए ब्लॉकचेन सिस्टम विश्वविद्यालयों में लागू किए जायेंगे। इससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रमाणपत्र ब्लॉकचेन में सुरक्षित रहेंगे। पब्लिक एक्सेस होने से उसकी विश्वसनीयता की भी जांच की जा सकती है। इससे विद्यार्थियों को भी प्रमाणपत्रों के रखने, लाने ले जाने के प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने समस्त विश्वविद्यालयों को एन.आईसी द्वारा विकसित किए गए स्वास प्लेटफार्म के तर्ज पर एक ही प्लेटफार्म में लाने की भी बात कही।

सुश्री उइके ने एनआईसी की महानिदेशक से राजभवन सचिवालय को भी पूरी तरह से ई-ऑफिस में तब्दील कर पेपरलेस करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे खर्चे में भी कमी आयेगी और समय की भी बचत होगी। इसके अलावा उन्होंने इंटरनेट की स्पीड भी तेज होने और राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ई-ऑफिस को स्थानीय भाषा में होने की भी अनिवार्यता बताई। ताकि दूरस्थ अंचल के छात्रों को फायदा मिल सके। साथ ही सुश्री उइके ने देश के विभिन्न सरकारी विभागों को डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध फकराने में प्राप्त पुरस्कारों के लिए एनआईसी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर एनआईसी के उप महानिदेशक संजय कपूर, उप महानिदेशक एवं राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी छत्तीसगढ़ डॉ. अशोक कुमार होता, राज्यपाल के विधिक सलाहकार आर.के. अग्रवाल, उप सचिव दीपक कुमार अग्रवाल उपस्थित थे। साथ ही एनआईसी छत्तीसगढ़ के सभी जिला सूचना विज्ञान अधिकारी वर्चुअल रूप से उपस्थित थे।

विश्व धरोहर दिवस पर छत्तीसगढ़ के शैल-कला धरोहर पर मानचित्र और छायाचित्र प्रदर्शनी

धरोहरों के संरक्षण पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व धरोहर दिवस पर संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग द्वारा आज प्रदर्शनी और व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित हुआ। महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के 13 जिलों से ज्ञात शैल-कला धरोहर पर मानचित्र और छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई। धरोहरों के संरक्षण पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्कृति विभाग के सचिव अन्बलगन पी. और पदमश्री एके शर्मा, डी. एस. बी. ओवा भोपाल और राहुल तिवारी ने किया।

पदमश्री ए.के. शर्मा ने धरोहरों के संरक्षण में लोगों की भूमिका पर कहा कि धरोहरों को प्राकृतिक कारकों से ज्यादा मानवीय कारकों से खतरा है। लोग जागरूकता के अभाव में अथवा अज्ञानतावश धरोहरों को नुकसान पहुंचाते हैं। इस प्रवृत्ति से बचना चाहिए। धरोहरों की सुरक्षा और स्वच्छता के लिए सभी लोगों को सहयोग करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि एवं भारतीय पुरातत्य सर्वेक्षण में पूर्व संयुक्त महानिर्देशक डी.एस.पी. ओता ने धरोहरों को प्राकृतिक क्षरण से बचाकर संरक्षित करने में पर्यावरण की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों को बचाने के लिए उसके आसपास के पर्यावरण और लैंडस्केप सहित विद्यमान लोक परंपरा को भी सहेजने की जरूरत है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रायपुर मंडल के सहायक अधीक्षण पुरातत्वीय अभियंता राहुल तिवारी ने निर्मित धरोहरों के संरचनात्मक अनुरक्षण और संरक्षण तकनीक तथा विधियों के बारे में अपने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन प्रभारी संग्रहाध्यक्ष डॉ. पी.सी. सारख ने किया।

इस अवसर पर प्रो. एसएल कोका. डी. अरूण कुमार, अशोक तिवारी, राहुल कुमार सिंह सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी व पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के पुरातत्त्व और मानवविज्ञान अध्ययनशाला के विद्यार्थी एवं शोधार्थी तथा नगर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। पुरातत्वेत्ता प्रभात कुमार सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव: 104 शोधपत्रों का होगा वाचन

रायपुर। राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव, राज्य स्तरीय जनजाति नृत्य महोत्सव एवं राज्य स्तरीय जनजाति कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन राजधानी रायपुर में 19 से 21 अप्रैल तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में होने जा रहा है। तीन दिन के कार्यक्रम के दौरान कुल 104 शोधपत्रों का वाचन किया जायेगा, जिसमें प्रथम दिवस को कुल 40 शोधपत्र पढ़े जायेगें।

प्रथम दिवस में राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव में देश के प्रख्यात साहित्यकार जो जनजातीय साहित्य लेखन में रूची रखते है, भागीदारी करेंगे। प्रथम सत्र में 'जनजातीय साहित्य भाषा विज्ञान एवं अनुवाद, जनजातीय साहित्य में जनजातीय अस्मिता एवं जनजातीय साहित्य में जनजातीय जीवन का चित्रण और द्वितीय सत्र में 'जनजातीय समाजों वाचिक परम्परा की प्रासंगिकता एवं जनजातीय साहित्य में अनेकता एवं चुनौतियां' विषय पर शोधपत्र का वाचन किया जायेगा। प्रमुख शोधपत्रों में- आधारभूत व्याख्यान-गोंडी भाषा लिपियों की मानकीकरण पर डॉ. के.एम. मैत्री, वर्तमान परिदृश्य में भिलाला जनजातीय की लोक संस्कृति का बदलता स्वरूप समस्या एवं चुनौतियां पर डॉ. रेखा नागर, पूर्वोत्तर भारत की मिसिंग जनजातीय की भाषा, साहित्य एवं संस्कृति एक अवलोकन पर डॉ. अभिजीत पायेंग, आदिवासी साहित्य में आदिवासी पहचान का चित्रण पर डॉ. प्रमोद कुमार शुक्ला और डॉ. प्रिवांका शुक्ला अपने शोधपत्र का वाचन करेंगी। जनजातीय साहित्य संस्कृति में माननीय मूल्यों का समीक्षात्मक अध्ययन पर गिरीश शास्त्रीय एवं डॉ. कुवंर सुरेन्द्र बहादुर, लोक भाषा हल्बी का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन पर डॉ. हितेश कुमार, आदिवासी जनजाति साहित्य जीवन का सामाजिक चित्रण पर डॉ. सुनीता पन्दों शोधपत्र पर वाचन करेंगी।

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के हितग्राहियों की पात्रता सूची के सत्यापन का कार्य प्रारंभ

रायपुर। राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के हितग्राहियों की सूची का प्रकाशन 18 अप्रैल को आज संबंधित ग्राम पंचायत में हो गया है। इसके साथ ही सूची के सत्यापन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। इस संबंध में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव ने छत्तीसगढ़ के समस्त कलेक्टर को पत्र लिखा है। जिसमें कहा गया है कि ऐसे हितग्राही से जिनका नाम पात्रसूची में दर्ज है परन्तु वर्तमान में उनकी मृत्यु हो चुकी है, ऐसे प्रकरण में उनके वैध वारिसान से आवेदन प्राप्त कर नियमानुसार परीक्षण उपरांत उनका नाम पात्र सूची में जोड़ा जाना है। जो वर्तमान में पात्र हितग्राहियों की सूची में शामिल है परन्तु उनके अथवा उनके परिवार के किसी सदस्य के द्वारा कृषि भूमि अर्जित कर लेने के कारण योजना के अंतर्गत अपात्र हो गए है। ऐसे हितग्राहियों के संबंध में आपत्ति/पटवारी से प्रतिवेदन प्राप्त कर परीक्षण उपरांत पात्र हितग्राहियों की सूची से विलोपित किया जाएगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

तेजी से बढ़ रही हैं लिवर की बीमारियां यह है इसके कारण और बचाव के तरीके

लिवर, शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। हमारे खून में रासायनिक स्तर को नियंत्रित करने के साथ पित्त के उत्सर्जन और भोजन के पाचन में लिवर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके अलावा शरीर से अपशिष्ट उत्पादों को बाहर निकालने और खून को साफरखने में भी इस अंग का योगदान होता है। पिछले एक दशक में लोगों में लिवर से संबंधित कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ता हुआ देखा गया है।

हमारी जीवनशैली और खान-पान की गड़बड़ आदतें भी लिवर की सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं, जिसके बारे में सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। लिवर में होने वाली छोटी सी भी समस्या के कारण पूरे शरीर का स्वास्थ प्रभावित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, आनुवांशिक कारकों के साथ आहार की अशुद्धि लिवर के रोगों का प्रमुख कारण मानी जाती है। शराब का सेवन और मोटापा जैसे कारक भी इस अंग की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। लिवर की समस्याओं पर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो यह लिवर सिरोसिस और गंभीर स्थितियों में लिवर फेलियर का कारण भी बन सकती है। लिवर स्वास्थ्य के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 19 अप्रैल को विश्व लिवर दिवस मनाया जाता है। आइए तेजी से बढ़ती लिवर की बीमारियों के लक्षण और इससे बचाव के उपायों के बारे में जानते हैं।

लिवर की बढ़ती बीमारियां

क्लीवलैंड क्लीनिक की रिपोर्ट के मुताबिक, हमारे जीवनशैली की गड़बड़ आदतों के साथ अशुद्ध खान-पान और आनुवांशिक कारकों के कारण इस अंग से संबंधित कई तरह की समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। अगर आपके परिवार में किसी को लिवर से संबंधित गंभीर समस्याएं रह चुकी हैं तो आपमें भी इसका खतरा हो सकता है। इसके अलावा हेपेटाइटिस का संक्रमण, प्रतिरक्षा प्रणाली की कमजोरी, ओवर-द-काउंटर दवाओं या शराब का अधिक सेवन, अधिक वजन के कारण भी लोगों में लिवर की तमाम बीमारियों का जोखिम तेजी से बढ़ता जा रहा है।

लिवर की समस्याओं के संकेत

विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते लिवर की बीमारियों के संकेत की अगर पहचान कर ली जाए, तो गंभीर और जानलेवा समस्याओं के जोखिम से बचाव किया जा सकता है। हालांकि लिवर की बीमारियों में हर बार संकेत नजर नहीं आते हैं। कुछ सामान्य से बदलाव लिवर की समस्याओं की ओर इशारा हो सकते हैं।

- बार-बार पीलिया की दिक्कत होना।
- अक्सर पेट दर्द और सूजन बना रहना।
- पेशाब के रंग में गाढ़ापन बना रहना।
- थकावट और कमजोरी की समस्या।
- उल्टी अथवा मितली की दिक्कत महसूस होते रहना।
- भूख न लगना या पाचन ठीक न रहना।

लिवर की बीमारियों का जोखिम

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक लिवर की बीमारी किसी को भी हो सकती है, हालांकि कुछ स्थितियां आपको इन बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बना देती हैं। जैसे यदि आपका वजन सामान्य से अधिक है, जो लोग शराब अधिक पीते हैं, टाइप-2 डायबिटीज के शिकार या लाइफस्टाइल संबंधी समस्याएं लिवर के जोखिम को बढ़ा सकती हैं।

लिवर की समस्याओं के कारण के आधार पर लोगों में इसकी जटिलताएं अलग-अलग प्रकार की हो सकती हैं। इन रोगों की अनुपचारित स्थिति जानलेवा भी हो सकती है।

लिवर की बीमारियों का इलाज

क्लीवलैंड क्लीनिक की रिपोर्ट्स के मुताबिक लिवर की बीमारी का उपचार इस बात पर निर्भर करता है कि आपको बीमारी किस प्रकार की है और यह कितनी बढ़ चुकी है? स्थिति के आधार पर दवाइयों और लाइफस्टाइल में बदलाव के आधार पर इन समस्याओं को ठीक करने का प्रयास किया जाता है। यदि समस्या बहुत गंभीर है तो सर्जरी और कुछ स्थितियों में लिवर ट्रांसप्लांट की भी आवश्यकता हो सकती है।

लिवर को स्वस्थ रखने के लिए क्या करना चाहिए?

विशेषज्ञों के मुताबिक लिवर की बीमारियों से बचाव के लिए कुछ उपाय काफी कारगर हो सकते हैं। विशेषरूप से स्वस्थ आहार और जीवनशैली आपको कई तरह की बीमारियों के जोखिम से बचा सकती है। सभी लोगों को कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

- शराब से लिवर को सबसे ज्यादा नुकसान होता है, इससे बचाव करें।
- ट्रांस फैट या हाई फ्रूक्टोज वाले खाद्य और पेय पदार्थों से बचें।
- ओवर-द-काउंटर दवाओं का सेवन कम करें। डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाइयों का ही सेवन करें।
- नियमित व्यायाम करना. लिवर को स्वस्थ रखने में सहायक है।
- रेड मीट का सेवन कम करें, इससे लिवर को नुकसान हो सकता है।

बॉक्स ऑफिस के राजा रॉकी भाई: केजीएफ-2 ने हिंदी में चार दिन में कमाए 194 करोड़ रुपए

यश स्टारर केजीएफ-2 को इंडिया में जबरदस्त ओपनिंग मिली। इसी के साथ फिल्म हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है। फिल्म ने हिंदी बेल्ट में चौथे दिन 50.35 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। केजीएफ-2 ने सिर्फ हिंदी बेल्ट में 193.99 करोड़ का बिजनेस किया है। हिंदी वर्जन में चार दिन में इतनी कमाई करने वाली ये पहली फिल्म है, इससे पहले बाहुबली-2 ने करीब 168 करोड़ की कमाई की थी। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने बताया कि फिल्म 5वें दिन 200 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी।

वहीं, केजीएफ-2 फिल्म का चार दिन में 551 करोड़ का कलेक्शन किया है। चौथे दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 132.13 करोड़ का रहा। करीब 100 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म में कन्नड़ एक्टर यश के अलावा संजय दत्त और रवीना टंडन भी हैं। फिल्म का डायरेक्शन प्रशांत नील ने किया है।

हिंदी बेल्ट केजीएफ-2 कर रही कमाल

फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि केजीएफ-2 हिंदी बॉक्स ऑफिस पर सुनामी की तरह बनी हुई है। फिल्म ने चौथे दिन यानी रविवार को 50.35 करोड़, शनिवार को 42.92 करोड़, दिन शुक्रवार को 46.79 करोड़ और ओपनिंग-डे पर 53.95 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है।

सैंडलवुड की पहली फिल्म 500 करोड़ क्लब में शामिल होगी

फिल्म क्रिटिक मनोबाला विजयबालन ने पोस्ट शेयर कर बताया, केजीएफ-2 ने कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। इनमें फिल्म हिंदी, केरला और कर्नाटक में अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है। केजीएफ-2 सैंडलवुड की पहली फिल्म है जो 500 करोड़ क्लब में शामिल होगी। सबसे हाईएस्ट ओपनिंग वीकेंड वाली इंडियन फिल्म बन गई है। फिल्म ने तेलांगना मे 5.54 करोड़, तमिलनाडु में 12.38 करोड़ रुपए कमाए हैं।

ड्रग्स पर संजय दत्त बोले

मैं बहुत शर्मीला था, लड़कियों के सामने ड्रग्स लेकर बहुत कूल बनने लगा था

केजीएफ-2 में अधीरा के रोल में संजय दत्त को जबरदस्त तारीफें मिल रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्टर ने अपनी कैंसर और ड्रग एडिक्शन के बारे में बताया। उन्होंने बताया, ड्रग्स की इतनी बुरी आदत लगी थी कि मुझे रिहैब सेंटर जाना पड़ा था। वहां से वापस लौटने पर मुझे चरसी बुलाया जाता था।

मेरे 10 साल बाथरूम में बीते

संजय दत्त ने कहा, मैं लड़कियों के सामने बहुत शर्मीला था। मुझे लगता था कि मैं ड्रग्स की वजह से लड़कियों के सामने कूल दिखूंगा। इसलिए मैंने इसे लेना शुरू कर दिया। इसके बाद मैं उनके सामने कूल बनने लगा। इसकी वजह से मेरी जिंदगी के 10 साल या तो एक कमरे में या फिर बाथरूम में बीते हैं। मेरा फिल्म के शूट्स में बिल्कुल भी मन नहीं थी। जिंदगी ऐसी थी और फिर सब बदल गया।

वाह क्या स्वैग है

संजय ने आगे बताया, जब मैं रीहैब सेंटर से वापस आया तो लोग मुझे 'चरसी' बुलाते थे। मैं सोचता था कि गलत है ये। सड़क पर चल रहे लोग मुझे ऐसा बोल रहे हैं। मुझे कुछ करना पड़ेगा। इसके बाद मैंने वर्कआउट करना शुरू कर दिया। रि मैं 'चरसी' से एक ऐसा शख्स बन गया जिसे देख लोग बोलते कि वाह, क्या स्वैग है, क्या बॉडी है।

कैंसर का पता चलने पर डर गए थे

उन्होंने कहा, वो लॉकडाउन का समय था। सीढ़ियां चढ़ते हुए मुझे सांस लेने में परेशानी होने लगी। जब मैं नहाने गया तो भी मुझसे सांस नहीं ली जा रही थी। मुझे नहीं पता था कि क्या हो रहा है, इसलिए मैंने अपने डॉक्टर को कॉल किया। इसके बाद मेरे एक्स-रे हुए तो पता चला कि मेरे आधे से ज्यादा फेफड़ों में पानी भर गया है। डॉक्टरों को ये पानी निकालना था और उनका मानना था कि ये टीबी हो सकता है, लेकिन वो कैंसर निकला।

कैंसर का डट कर किया सामना

एक्टर ने बताया कि मैं दुबई में कीमोथेरेपी के लिए जाता था और फिर बैडमिंटन कोर्ट जाकर दो-तीन घंटे खेला करता था। ये पागलपन था लेकिन मैं ऐसा ही किया करता। उन्होंने कहा, कि कैंसर से लड़ने के लिए उससे डरना नहीं, उसका डटकर सामना करना चाहिए। अब वह पूरी तरह स्वस्थ है और अपने रूटीन में वापस ढल रहा हूं।

बढ़ता कोरोना संकट: दिल्ली में सामने आए डराने वाले आंकड़े बच्चे ज्यादा संक्रमित, विशेषज्ञ ने बताया- ऐसे रहें सुरक्षित

दिसंबर-जनवरी के समय देश में आई कोरोना की तीसरी लहर के बाद एक समय ऐसा लगने लगा था कि हालात सुधर रहे हैं और सामान्य जनजीवन फिर से पटरी पर आने लगा है। हालांकि पिछले कुछ दिनों में राजधानी दिल्ली सहित देश के कुछ हिस्सों में जिस तरह से संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है, उसके आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में बच्चों में तेजी से संक्रमण के मामले रिपोर्ट किए गए हैं, नतीजतन कुछ स्कूलों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है जबकि कुछ में फिर से ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था की गई है। वैश्विक स्तर पर सामने आए कोरोना के कुछ वैरिएंट्स की प्रकृति और देश में संक्रमण के बढ़ते आंकड़े काफी डराने वाले हैं। हाल ही में 'लोकलसर्किल' नाम के सर्वेक्षण फर्म ने जो रिपोर्ट दी है वह बड़ी समस्या की ओर इशारा करती है। सर्वे के मुताबिक पिछले 15 दिनों में दिल्ली-एनसीआर में कोरोना के मामलों में 500 फीसदी की वृद्धि हुई है। इस सर्वे में दिल्ली-एनसीआर के लगभग 19 प्रतिशत निवासियों को शामिल किया गया। इससे प्राप्त कोरोना के आंकड़े गंभीर स्थिति की ओर संकेत करते हैं।

सर्वे की मुख्य बातें

फर्म की रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली और एनसीआर के सभी जिलों से करीब 11,743 लोगों से कोरोना के संबंध में इनपुट प्राप्त हुए। इनसे जानने की कोशिश की गई कि परिवार, दोस्त, पड़ोसी, सहकर्मी में कितने लोग पिछले 15 दिनों में संक्रमण के शिकार हुए हैं? इसके आधार पर एक खांका तैयार किया गया, जिससे यह पता चलता है कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में पिछले 15 दिनों से कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

बच्चों में बढ़ता संक्रमण का जोखिम

पिछले दिनों कोरोना के बढ़ते मामलों में सबसे ज्यादा असर बच्चों पर देखा जा रहा है। पहले नोएडा और गाजियाबाद के कुछ स्कूलों में 23 से अधिक बच्चों में संक्रमण की पुष्टि हुई, वहीं पिछले 24 घंटे में एनसीआर में 22 नए बच्चों को संक्रमित पाया गया है। बच्चों में बढ़ता संक्रमण कई मामलों में डराने वाला है, जिसको लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी माता-पिता को बेहद सतर्कता बरतते रहने की सलाह देते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वरिष्ठ चिकित्सक और इंटरनेल मेडिसिन के एकस्पर्ट डॉ विक्रमजीत सिंह बताते हैं कि तीसरी लहर के बाद कम हुए मामलों के बीच जिस तरह से लोगों में बचाव के उपायों को लेकर लापरवाही देखने को मिली है, उसी के कारण एक बार फिर से आंकड़े बढ़ रहे हैं। लोगों ने मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग जैसे उपायों को प्रयोग में लाने में काफी ढील दे दी है। वहीं दूसरी तरह कोरोना के सामने आ रहे नए म्यूटेंट वैरिएंट्स अधिक संक्रामकता वाले हैं, जिनके बचाव के लिए विशेष सावधानी की जरूरत है। बच्चों का टीकाकरण न हो पाना उनमें संक्रमण के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ा देता है। वयस्कों की तरह बच्चों के लिए स्वयं से बचाव के उपाय करते रहना भी कठिन है जिस वजह से कोरोना के मामलों में फिर से उछाल देखने को मिल रहा है।

इस समय कैसे रहें सुरक्षित?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से कोरोना की रफ्तार में बढ़ोतरी देखी जा रही है, वह निश्चित ही चिंताजनक है। संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए हमें कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर को लेकर सतर्कता बरतने की जरूरत है। विशेषकर अध्ययनों में मास्क पहनने को कोरोना से बचाव का सबसे प्रभावी साधन बताया गया है, इसलिए सभी लोग घर से बाहर निकलते समय मास्क जरूर पहनें। सोशल डिस्टेंसिंग और हैंड हाइजीन का हम स्वयं और बच्चों में भी गंभीरता से ध्यान रखें। अगर बचाव के उपायों में सख्ती बरती जाती है तो कोरोना के प्रसार की रफ्तार पर रोक लगाई जा सकती है।

अगले साल रिलीज होगी प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'इटंस ऑल कमिंग बैक टू मी'

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड के बाद हॉलीवुड में भी अपनी जगह बना ली है। जल्द ही वह सैम ह्यूगन के साथ फिल्म 'इटंस ऑल कमिंग बैक टू मी' में नजर आने वाली हैं। फिल्म का नाम 1996 में आई एल्बम 'फॉलिंग इनटू यू' के एक गाने के नाम पर रखा गया है। इससे पहले फिल्म का नाम 'टेक्सड फॉर यू था', जिसे बदल दिया गया था। फिल्म अगले साल 10 फरवरी को रिलीज होने वाली है।

सैम ह्यूगन ने अपनी और प्रियंका की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा कर लिखा था कि फिल्म 'इटंस ऑल कमिंग बैक टू मी' शानदार प्रियंका और सेलीन डियोन द्वारा दिया गया संगीत के साथ 10 फरवरी 2023 को रिलीज होगी। हालांकि कुछ देर बाद ही सैम ने अपने इस पोस्ट को डिलीट कर दिया, लेकिन फिल्म की रिलीज के बारे में मिली जानकारी से फैंस काफी खुश हो गए। सैम ने इससे पहले अपने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि प्रियंका काफी सुंदर और अच्छी इंसान हैं।

'इटंस ऑल कमिंग बैक टू मी' 2016 की जर्मन फिल्म 'एसएमएस फर डिच' का रीमेक है, जो सोफी क्रैमर का नॉवेल पर आधारित है। यह एक ऐसी महिला की कहानी है, जो अपने मृत बॉयफ्रेंड के फोन पर मैसेज करती है और उसकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से होती है जिसका भी दिल टूटा होता है। अभी इस नंबर को वह इस्तेमाल कर रहा होता है। इस फिल्म का निर्देशन जिम स्टॉस ने किया है। इसमें सेलीन डियोन, रसेल टोवी, ओमिड और सेलिया इमरी भी नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग लंदन और यूएस में की गई है।

प्रियंका के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह एंथनी मैकी के साथ 'एंडिंग थिंग्स', वेब सीरीज 'सिटाडेल' और फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' में भी नजर आएंगी। इसके अलावा भी वह कई प्रोजेक्ट्स कर रही हैं। वहीं, आखिरी बार वह बॉलीवुड में 2019 में आई फिल्म 'द स्काई इज पिंक' में नजर आई थीं।

'कुमकुम भाग्य' में श्रीति झा की बहन का रोल प्ले करने पर मृणाल ठाकुर ने किया रिएक्ट, बोली- मुझे लीड रोल ही करना था

मृणाल ठाकुर 22 अप्रैल को रिलीज हो रही फिल्म 'जर्सी' में शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी। फिल्मों में आने से पहले एक्ट्रेस पॉपुलर टीवी स्टार थीं। मृणाल ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें टीवी शो 'कुमकुम भाग्य' में लीड रोल के लिए साइन किया था लेकिन उनका कैरेक्टर सेकेंड लीड में बदल दिया गया। जिसमें प्रज्ञा (श्रीति झा) पहली लीड रोल थीं।

मृणाल को लीड रोल ही करना था

मृणाल ने एक इंटरव्यू में बताया कि अब वो लीड रोल प्ले करने को लेकर परेशान नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैंने रियलाइज किया कि लीड बहुत ही मिसलीडिंग शब्द है। मुझे यह बात 'कुमकुम भाग्य' करने के दौरान समझ आई। मैं बहुत क्लियर थी कि मुझे लीड रोल ही करना है। शो के लिए मुझे लीड रोल में साइन किया गया था, लेकिन बाद में मुझे सेकेंड लीड में कर दिया गया। आप जो भी रोल प्ले कर रहे हो उससे कोई फर्क नहीं पड़ता, बल्कि ये मायने रखता है कि आप ऑडियंस पर क्या इम्पैक्ट डाल रहे हैं। सेकेंड लीड होने के बाद भी मुझे काफी पॉपुलैरिटी मिली।

एक्ट्रेस को सेकेंड लीड से मिली पॉपुलैरिटी

मृणाल ने आगे कहा, लीड कोई भी हो, लेकिन कभी-कभी असली मसाला दूसरे कैरेक्टर्स में होता है। ये कैरेक्टर कहानी और किरदारों को जोड़ के रखते हैं। मृणाल को 'कुमकुम भाग्य' से प्रज्ञा की छोटी बहन के तौर पर पॉपुलैरिटी मिली। शो में आज भी श्रीति झा, प्रज्ञा की भूमिका निभा रही हैं, वहीं मृणाल शो में उनकी छोटी बहन के बुलबुल के किरदार में थीं।

10 फिल्मों को लर्निंग ग्राउंड रखना चाहती हूं- मृणाल

मृणाल अब तक आठ फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्मों में काम करने को लेकर कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री में नई हूं और मैं कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती। मैं अपनी पहली 10 फिल्मों को अपना लर्निंग ग्राउंड रखना चाहती हूं। उसके बाद फिर आप मेरी 11वीं और 12वीं फिल्म का इंतजार करना और जरूर देखना। मैं खुद को इम्प्रूव करना चाहती हूं।

मृणाल ठाकुर के वर्कफ्रंट पर

मृणाल आखिरी बार कार्तिक आर्यन के साथ 'धमाका' फिल्म में नजर आई थीं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इस साल एक्ट्रेस की 'जर्सी' समेत पांच फिल्में रिलीज होने वाली हैं। उनके पास 'पिप्पा', 'आंख मिचोली' और एक तेलुगु फिल्म 'सीता रमण' जैसी फिल्में हैं।

खास खबर

लाईफलाइन एक्सप्रेस में मिल रही सुविधाओं का कलेक्टर बंसल ने लिया जायजा

जगदलपुर। कलेक्टर रजत बंसल ने आज लाईफलाईन एक्सप्रेस के माध्यम से नकटी सेमरा में विभिन्न रोगों के मरीजों को दी जा रही सुविधा का जायजा लिया। इस अवसर पर उनके साथ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित व्यास भी उपस्थित थे। कलेक्टर ने यहां लाईवलीहुड कॉलेज में संचालित ओपीडी में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा चिकित्सकों एवं मरीजों से बातचीत की। कलेक्टर ने ऑपरेशन के बाद देखभाल के लिए रखे गए मरीजों से भी मुलाकात की और यहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधा के संबंध में जानकारी ली। मरीजों ने यहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधा के प्रति पूरी संतुष्टि जताया और यहां चिकित्सीय, आवासीय एवं भोजन व्यवस्था के लिए आभार व्यक्त किया। बातचीत के दौरान कुछ मरीजों ने बताया कि वे पड़ोसी राज्य ओड़ीसा से यहां उपचार की सुविधा के लिए पहुंचे हैं। लाईफलाइन एक्सप्रेस में चिकित्सीय सुविधा देने पहुंचे मुंबई तथा लखनऊ के चिकित्सकों ने भी कलेक्टर से बातचीत के दौरान यहां की व्यवस्थाओं के प्रति संतुष्टि जताते हुए प्रशासन के प्रति आभार जताया। कलेक्टर ने इसके साथ ही यहां लाईफ लाइन एक्सप्रेस में मरीजों के ऑपरेशन के की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया। कलेक्टर ने इंपैक्ट इंडिया के परियोजना प्रबंधक से भी पूरी व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। परियोजना प्रबंधक पुनीत शर्मा ने बताया कि आंख संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लगभग 350 मरीजों का अब तक पंजीयन किया जा चुका है, जिनमें लगभग 200 मरीजों का ऑपरेशन किया गया है।

5 मई से 10 मई तक चलेगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम, बस्तर के 7 जिलों समेत राज्य के 24 अन्य जिलों में भी मनाया जाएगा कार्यक्रम

कृमि से बचाव के लिये 1 से 19 वर्ष के बच्चों को दी जाएगी एल्बेंडाजोल की गोली

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रम की सफलता को लेकर जिले में तैयारियां प्रारंभ हो चुकी है। 5 मई से 10 मई तक चलने वाले इस कार्यक्रम में इस वर्ष राज्य के 24 जिलों के 84.92 लाख बच्चों एवं किशोर/किशोरियों (1 से 19 वर्ष) को कृमि से बचाव हेतु, एल्बेंडाजोल की गोली खिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

इस सम्बन्ध में जिला सीएमएचओ डॉ. आर.के चतुर्वेदी ने बताया, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमि से मुक्ति दिलाने के लिए एल्बेंडाजोल की गोली का सेवन कराया जाएगा। कृमि से बचाव हेतु 5 से 7 मई तक राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम मनाया जाएगा तथा छूटे हुए बच्चों को 9 से 10 मई तक मॉप-अप दिवस के तहत कृमि से बचाव की गोली खिलाई जाएगी। 5 मई से 10 मई तक चलने वाले कार्यक्रम के लिये राज्य से प्राप्त गाइडलाइन के अनुसार बस्तर जिले के समस्त विकासखंड को दिशानिर्देश भी भेजे जा चुके है। इस वर्ष बच्चों को मितानिन द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से अपने कार्यक्षेत्र के सभी घरों का भ्रमण कर कृमिनाशक दवा दी जाएगी। 1 से 2 वर्ष तक के बच्चों को आधी गोली (200 एमजी) चूर्ण बनाकर पानी के साथ, 2 से 3 वर्ष तक के बच्चों को 1 गोली पूरी तरह से चूर्ण बनाकर पानी के साथ तथा 4 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को एक पूरी गोली (400 एमजी) चबाकर के पानी के साथ सेवन कराया जाएगा। एल्बेंडाजोल की गोली बच्चों और बड़ों के लिए सुरक्षित है। दवा खाने के उपरांत यदि कोई प्रतिकूल प्रभाव हो तो प्रबंधन के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपचार की व्यवस्था भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा रहेगी। कृमि मुक्ति दिवस पर बीमार बच्चों या पहले से कोई अन्य दवाई ले रहे बच्चों को एलबेंडाजोल की गोली नहीं दी जाएगी।

आगे उन्होंने बताया, भारत सरकार के निर्देशानुसार साल में 2 बार कृमिमुक्ति कार्यक्रम मनाया जाता है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग की भागीदारी होती है। कार्यक्रम के दौरान कोविड 19 से संबंधित जारी दिशा निर्देशों का पालन किया जाएगा । जिन घरों में कोविड 19 के सक्रिय केस होंगे वहां सामान्य स्थिति होने के उपरांत दवा दी जाएगी। एलबेंडाजोल की गोली खिलाने के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क ,सैनिटाइजर का प्रयोग किया जाएगा।

कृमिमुक्ति कार्यक्रम के नोडल अधिकारी सी.आर.मैत्री ने बताया, कृमि संक्रमण चक्र की रोकथाम के लिए यह गोली बच्चों को देना आवश्यक है। कृमि बच्चों के स्वास्थ्य शिक्षा और संपूर्ण विकास को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। कृमिनाशक की गोली से बच्चों के संपूर्ण शारीरिक मानसिक विकास में मदद मिलती है।

रायपुर मंडल ने ऐतिहासिक विरासत को सहेजने के लिए किया प्रेरित

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने रतनपुर किले में मनाया विश्व धरोहर दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (पीआईबी)। संस्कृति मंत्रालय के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रायपुर मंडल द्वारा सोमवार को रतनपुर के ऐतिहासिक किला में विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत स्थानीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता निबंध प्रतियोगिता का आयेजन किया गया। इस संबंध में रायपुर मंडल की मुख्य अधिकारी डॉ. कारबी साहा ने बताया कि यूनेस्को द्वारा किए गए निर्धारण के मुताबिक हर वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है।

इस वर्ष का थीम 'विरासत और जलवायु' है। जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से विश्व धरोहर को होने वाले खतरे के प्रति लोगों को जागरूक करना है।

इसी के तहत रतनपुर के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए किला परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों की हिस्सेदारी रही। जिनमें सबसे बेहतर निबंध लेखन के लिए 10 प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र व पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण मंडल रायपुर के अधिकारी डॉ. नित्यानंद कुमार ने सभी प्रतिभागियों के धरोहर के संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इन्हीं धरोहरों के माध्यम से हम जान पाते हैं कि हमारा अतीत कैसा था? यदि हम इन धरोहरों को सहेज नहीं पाएं तो आने वाली पीढ़ियां इस धरोहर के महत्व को जानने से वंचित रह जाएगी।

इतिहास जान हैरान रह गए विद्यार्थी

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों को हेरिटेज वॉक कराया गया। इस वॉक के माध्यम से रतनपुर किले के विभिन्न पहलुओं से रूबरू कराया गया। स्कूली विद्यार्थी किले के ऐतिहासिक पृष्ठिभूमि के बारे में जानने के बाद बेहद हैरान थे। रतनपुर के स्थानीय निवासी होने के बावजूद उन्हें किले के ऐहितहासिक परिप्रेक्ष्य के बारे में ज्यादा नहीं पता था। सभी विद्यार्थियों को किले के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. नित्यानंद ने अधिक से अधिक संरक्षण व प्रचार-प्रसार के लिए जागरूक किया।

चलाया स्वच्छता अभियान

इस अवसर पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण मंडल रायपुर के अधिकारियों व कार्मिकों ने स्वयं स्वच्छता अभियान चला कर बताया कि पुरातात्विक धरोहरों का संरक्षण करने में स्वच्छता की अहम भूमिका है। ऐतिहासिक धरोहरों की सुंदरता तभी बरकरार रह सकेगी जब हम स्वच्छता के प्रति सजग रहेंगे। रायपुर मंडल की मुख्य अधिकारी डॉ. कारबी साहा ने बताया कि स्वच्छता ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण मंडल की पहचान है। सभी ऐतिहासिक स्थलों पर स्वच्छता का खासा ध्यान रखा जाता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय ने साइबर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया अभ्यास का किया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, केसी, ने आज राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा संयोजक लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पंत और डीआरडीओ के सचिव डॉ. सतीश रेड्डी के साथ राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया अभ्यास का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय साइबर अभ्यास (एनसीएक्स) इंडिया का आयोजन दस दिनों की अवधि यानि 18 से 29 अप्रैल 2022 तक एक हाइब्रिड अभ्यास के रूप में किया जाएगा, जिसका उद्देश्य सरकार/महत्वपूर्ण क्षेत्र के संगठनों और एजेंसियों के वरिष्ठ प्रबंधन तथा तकनीकी कर्मियों को समकालीन साइबर खतरों एवं साइबर घटनाओं व प्रतिक्रिया के प्रबंधन पर प्रशिक्षण देना है।

कार्यक्रम का संचालन, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस), भारत सरकार द्वारा ज्ञान भागीदार के रूप में भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद (डीएससीआई) के सहयोग से तथा रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के समर्थन से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के लिए प्लेटफार्म साइबरएक्सर टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रदान किया जा रहा है, जो एस्तोनिया की साइबर

सुरक्षा कंपनी है और इसे विश्व स्तर पर कई बड़े साइबर अभ्यास आयोजित करने की मान्यता मिली हुई है। प्रशिक्षण सत्र, लाइव फायर और सामरिक अभ्यास के माध्यम से 140 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रमुख साइबर सुरक्षा क्षेत्रों जैसे घुसपैठ का पता लगाने की तकनीक, वायरस (मैलवेयर) सूचना साझाकरण प्लेटफॉर्म (एमआईएसपी), जोखिम प्रबंधन और प्रवेश परीक्षण, नेटवर्क प्रोटोकॉल और डेटा प्रवाह, डिजिटल फोरेंसिक, आदि के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। एनसीएक्स इंडिया, अग्रणी रणनीतिक कर्मियों को साइबर खतरों को बेहतर ढंग से समझने, तैयारी का आकलन करने और साइबर संकट प्रबंधन व सहयोग करने के क्षेत्र में कौशल को विकसित करने में मदद करेगा। यह साइबर सुरक्षा कौशल, टीम वर्क, योजना, संचार, महत्वपूर्ण सोच और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने में और इनका परीक्षण करने में भी मदद करेगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, केसी, ने अपने मुख्य भाषण में देश में चल रही डिजिटल क्रांति और सरकार द्वारा बड़ी संख्या में डिजिटल सेवाओं के शुभारंभ विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि साइबर सुरक्षा किसी भी सफल डिजिटल बदलाव की आधारशिला है। साइबर दुनिया में कोई भी खतरा सीधे तौर पर हमारी सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करता है और इसलिए हमें अपने साइबर दुनिया की सुरक्षा करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा संयोजक लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पंत ने भारत की साइबर दुनिया के महत्व और इसे नागरिकों, व्यवसायों तथा सरकारों के लिए सुरक्षित रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने पूरे विश्व में और हमारे देश में फिरौती के वायरस (रैंसमवेयर) की घटनाओं और आपूर्ति श्रृंखला पर हमलों की वृद्धि के बारे में बात की और इन हमलों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए सभी संगठनों के बीच तालमेल हासिल करने के महत्व पर चर्चा की।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा.प्र.क्र. /202201101000210 / 287 / अ-6 / वर्ष 2021-22)

प्रति,

1. इकबाल कुरैशी पिता अब्दूल कलाम निवासी- संतोषी पारा कैम्प 01 भिलाई तह व जिला दुर्ग (छ.ग.)

पक्षकार- तहसीन अख्तर पिता नसीम अनवर बेग
निवासी- फरीद नगर कोहका तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

विरूद्ध

छग शासन

--oo--

आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक तहसीन अख्तर पिता नसीम अनवर बेग पता - फरीद नगर कोहका भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 19, रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित - भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 1282/2 रकबा 0.0150 हे./1650 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर बैनामा दिनांक 18/10/2021 को विक्रेता - इकबाल कुरैशी पिता अब्दूल कलाम निवासी - कैम्प 01 भिलाई से क्रय किया है कि नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अत: इस संबंध में आपको किसी प्रकार के. दावा करना हो तो स्वयं या आपके द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से पेशी दिनांक 07/04/2022 को दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/04/2022 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

आयुष्मान स्वास्थ्य मेला में 3483 हितग्राही हुए लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत कलेक्टर भीम सिंह के दिशा-निर्देशन में आज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पुसौर एवं बरमकेला में आयुष्मान हेल्थ मेला का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 3483 हितग्राही लाभान्वित हुए। पुसौर में नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश थवाईत के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष किशोर कसेर, सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केशरी, टीकाकरण अधिकारी डॉ.भानु पटेल, बीएमओ डॉ.बी.के.चंद्रवंशी, डॉ.दिनेश नायक, चिकित्सा अधिकारी डॉ.संजय पटेल, बीपीएम केशल जायसवाल, बीपीएम नवीन शर्मा, बायोमेडिकल इंजीनियर नीतिराज सिंह, एम.एस.पटनायक सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने आए हितग्राही उपस्थित रहे। पुसौर में आयोजित आयुष्मान हेल्थ मेला में 1729 हितग्राही लाभान्वित हुए। शिविर में 30 लोगों का आयुष्मान भारत कार्ड एवं 50 लोगों का हेल्थ कार्ड बनाया गया। वहीं 10 व्यक्यिों ने रक्तदान भी किया और तीन लोगों ने अपना देहदान मेडिकल कालेज रायगढ़ को किया। इसी तरह बरमकेला में 1754 हितग्राही लाभान्वित हुए।

जिनमें 56 लोगों का हेल्थ आईडी कार्ड, 53 का आयुष्मान कार्ड, 234 लोगों का मोतियाबिंद जांच एवं 16 लोगों ने रक्तदान किया। सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केशरी ने बताया आयुष्मान स्वास्थ्य मेले में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुख कैंसर की जांच की जा रही है। साथ ही यहां डिजीटल स्वास्थ्य आईडी कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड बनाये जा रहे है। इसी तरह जागरूकता तथा स्वास्थ्य शिक्षा, बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं, टेली कंसल्टेशन तथा रेफरल एवं योग, ध्यान जैसी स्वास्थ्य सुविधाओं को जनमानस तक पहुंचाने और उन्हें उससे लाभान्वित करने के उद्देश्य से आयुष्मान स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है।

आयुष्मान हेल्थ मेला का आयोजन जिले के प्रत्येक विकासखण्डों में प्रात:10 से शाम 4 बजे तक किया जा रहा है। जिसके तहत 19 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोईंग एवं धरमजयगढ़ में, सारंगढ़ एवं तमनार में एवं 22 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खरसिया एवं लैलूंगा में होगा।

जगरगुण्डा के स्वास्थ्य मेले 639 मरीजों को मिला लाभ

कोंटा विकासखंड में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित हुआ कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। कोण्टा विकासखण्ड के जगरगुण्डा में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। प्रत्येक व्यक्ति को अच्छे स्वास्थ्य का समुचित लाभ मिल सके इस उद्देश्य के तहत स्वास्थ्य विभाग की तरफ से ब्लॉक स्तर पर आजादी का अमृतमहोत्सव मनाया जा रहा है। इस दौरान जगरगुण्डा ग्राम में आयोजित शिविर में नज़दीकी गांव के ग्रामीणों ने भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। एक दिवसीय स्वास्थ्य मेला में कुल 639 मरीज को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की गई।

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सी.बी.पी. बंसोड़ ने बताया, सुकमा के सभी विकास खंडों में 18 से 22 अप्रैल तक चल रहे आजादी के अमृतमहोत्सव के तहत जगरगुंडा में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में मौसमी एवं अन्य बीमारी के 214 मरीज, नेत्र विकार के 48, आयुर्वेद की कुल 73मरीज, उच्च रक्त चाप के 2 एवं मधुमेह के मरीजों का उपचार कर स्वास्थ लाभ दिया गया। इसके अतिरिक्त शिविर में 30 ग्रामीणों को चश्मा का वितरण किया गया। साथ ही 304 आयुष्मान भारत कार्ड रजिस्ट्रेशन किया गया। उन्होंने बताया, स्वास्थ्य मेले आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों को विभिन्न तरह के संचारी व गैर-संचारी रोगों के प्रति जागरूक करना है तथा स्वास्थ्य-संबंधी मामलों पर लोगों को सजग बनाना है।

शिविर में मौजूद चिकित्सकों, नर्स आदि स्वास्थ्य कर्मचारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छता की महत्ता बताते हुए अपने आस पास साफ-सफाई रखने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं तथा बच्चों को सुपोषित व संतुलित आहार प्रदान करने की सीख दी गई। जिले में 18 अप्रैल से 22 अप्रैल तक चलने वाले स्वास्थ्य मेला में सामान्य चिकित्सा, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन परामर्श, मोतियाबिंद की जांच, आंख, नाक कान एवं गले से संबंधित जांच, दंत चिकित्सा जांच, त्वचा की जांच, पोषण के लिए परामर्श, एड्स नियंत्रण के लिए परामर्श, कुष्ठ नियंत्रण, टी.बी. नियंत्रण, मलेरिया, आंखों की जांच, धूम्रपान और तंबाकू सेवन के दुष्प्रभाव और जांच, कैंसर नियंत्रण के लिए जागरूक किया जा रहा । स्वास्थ्य विभाग ने सभी लोगों से अपील है कि वे मेले में आएं और कोरोना की गाइडलाइन का पालन जरूर करें।

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri,
Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7
Dakshin gangotri, Supela, Bhilai
Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी
चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

SAIRAM
Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI,
Oppo, Vivo, Nokia, HTC,
Blue tooth Charger,
Power Bank, Ear Phone,
BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट,
फ्राक, फैंसी सलवार सूट
एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स,
गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

ईंट कारोबारी से ईंट खरीदने का झांसा देकर फर्जी जवान ने खाते से उड़ाए 48 हजार

रायपुर (ए)। देवेंद्र नगर क्षेत्र के एक ईंट का व्यवसाय करने वाले वाले कारोबारी से ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। देवेंद्र नगर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गौरव बजाज ने ठगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। गौरव को ईंट का व्यवसाय है। उनके नंबर पर 10 अप्रैल को अज्ञात फोन धारक का फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को नवा रायपुर से सीआरपीएफ कैंप का जवान होना बताया। कैंप के लिए आठ हजार ईंट की खरीदने की बात कही। अगले दिन 2000 ईंट ट्रक से नया रायपुर के लिए भेजकर उक्त मोबाइल नंबर के धारक से ईंट भेजने के संबंध में जानकारी दी। फोन करने पर उसने गाड़ी को नवा रायपुर सेक्टर तीन में रोकने के लिए कहा। इसके बाद उसने कहा कि कर्नल साहब पैसे ट्रांसफर करेंगे। इसके बाद एक दूसरे नंबर से फोन आया और पेंमेंट के लिए अलग प्रोसिजर की बात की। पहले एक रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करने गूगल-पे के माध्यम से उसने दो रुपये पेटीएम में रिटर्न किया। फिर आर्मी चेक के नाम से स्कैनर भेजने पर गौरव ने स्कैनर को स्कैन किया। इसके बाद गौरव के खाते से दो बार में 24-24 हजार करके कुल 48 हजार रुपये कट गए।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, डीडी नगर में केस दर्ज

रायपुर (ए)। रायपुर के डीडी नगर क्षेत्र में रहने वाली एक से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। शादी का झांसा देकर पूर्व परिचित युवती से दुष्कर्म किया गया। शिकायत पर डीडी नगर थाना पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म की धारा के तहत अपराध कायम कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार युवक ने युवती से जनवरी में जान पहचान बढ़ाई। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। आरोपित शादी का झांसा देकर युवती को अपने हवस का शिकार बनाने लगा। जब युवती शादी की बात करती तो वह कुछ न कुछ बहाना बना देता। इसके बाद आरोपित शादी की बात से मुकर गया। युवती ने थाने में जाकर आपबीती सुनाई।

कार की टक्कर से तीन युवतियां घायल, एम्स में भर्ती

सांकरा (ए)। रविवार की देर शाम को उरला के पास जागृति नगर बिरगांव लौट रहे एक्टिवा सवार तीन युवतियों को बिलासपुर नई बाईपास रोड में महतारी चौक के पास गलत साइड से आ रही टवेरा गाड़ी ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल स्कूटी सवार युवतियों को तत्काल डायल 112 ने एम्स में ले जाकर भर्ती कराया । इसी बीच उरला टाइगर दो की टीम ने ठोकर मार कर भाग रहे टवेरा कार को पकड़ लिया और थाना ले गई। एक्सीडेंट में घायल युवतियों के नाम पिंकी साहू, तनुजा सिन्हा और रीना वर्मा है । तीनों जागृति नगर बिरगांव की रहने वाली हैं । वहीं तीनों घायल युवतियों के परिजनों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर एक्सीडेंट में घायल युवतियों को हास्पिटल में भर्ती कराने और टवेरा वाहन को पकड़ने के लिए 112 की पूरी टीम का आभार जताया।

बाइक चोरी करने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, कब्जे से 17 वाहन जब्त की गई

आरोपी दुर्ग-भिलाई समेत सरायपाली तक जाकर बाइक चोरी करके लाते थे

भिलाई। नेवई पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा है। आरोपी दुर्ग-भिलाई समेत सरायपाली तक जाकर बाइक चोरी करके लाते थे। कब्जे से 17 वाहन जब्त की गई है। तीनों आरोपियों को नेवई थाना के 4 मामले, पद्मनाभपुर के 1 मामले में एवं अन्य 12 बाइक को धारा 41(1)(4), 379 के तहत गिरफ्तार कर रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

मामले का खुलासा करते हुए एएसपी सिटी संजय ध्रुव ने बताया कि पिछले सप्ताह नेवई थाने की पेट्रोलिंग टीम को रिसाली में युवकों के बीच झगड़े की जानकारी मिली। इस पर एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर युवक बाइक छोड़कर फरार हो गए।

बाइक को थाने लगाकर जब पुलिस ने बाइकों के संबंध में जानकारी जुटाई तो चोरी की निकली। आसपास क्षेत्र में जानकारी जुटाई गई तो माया नगर बस्ती मैत्री कुंज रोड निवासी सोहन यादव का नाम सामने आया, जो पूर्व में कई बार चोरी के मामले में जेल जा चुका था। इस पर उनकी पतासाजी के लिए अलग से टीम गठित की गई। संदेही सोहन का सुराग मिलने पर उसे थाने में पूछताछ के लिए लाया गया, जहां उसने रिसाली में बाइक चोरी के पैसे बंटवारे को लेकर विवाद की जानकारी दी। साथ ही बॉम्बे आवास उरला निवासी विद्याधर चौहान एवं तिरेन्द्र उर्फ राहुल उर्फ माउस के साथ मिलकर बाइक चोरी करना कबूल किया।

रुआबांधा, तालपुरी, वाम्बे आवास में छुपाई थी गाड़ियां

निशानदेही पर पुलिस की टीम ने वाम्बे आवास उरला जाकर दोनों संदेहियों की तलाश शुरू कर दी। इसी बीच उनके घर में होने की सूचना पर घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने दुर्ग, भिलाई, चरोदा, पाटन, पदमनाभपुर, नेवई, अमलेश्वर और सरायपाली से कुल 17 बाइक चोरी करना कबूल किया। आरोपियों द्वारा चोरी किए वाहनों को माया नगर रूआबांधा, तालपुरी पारिजात बिल्डिंग के नीचे और बॉम्बे आवास उरला में छुपाकर रखने की जानकारी दी। निशानदेही पर सभी बाइक बरामद कर ली गई। उसे पहचान के बाद प्रार्थियों का सौंपा जाएगा।

बाजार से मोबाइल चोरी के आरोप में पुलिस ने 3 को पकड़ा, आरोपियों में नाबालिग भी

महासमुंद (ए)। खल्लारी थाना क्षेत्र के ग्राम भीमखोज के रहने वाले तीन लोगों को भंवरपुर पुलिस ने मोबाइल चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर जेल व बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है। इसमें नाबालिग भी शामिल है। तीनों भंवरपुर बाजार में चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

पुलिस ने इसके पास से 3 नग मोबाइल एवं घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल क्रमांक सीजी 06 जीवी 3615 को बरामद किया है। चौकी प्रभारी स्वराज त्रिपाठी ने बताया कि भंवरपुर बाजार में ग्राम मेढ़ापाली निवासी सुखसागर मानिकपुरी सब्जी खरीदने के लिए भंवरपुर बाजार आया हुआ था।

उसी दौरान उसकी मोबाइल चोरी हो गई। इसे बाद उसने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया और मुखबिर सक्रिय कर आरोपियों को पकड़ने जुट गए, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि भीमखोज के मोबाइल चोरों द्वारा घटना को अंजाम दिया है। सूचना पाकर टीम भीमखोज पहुंची और संतोषी नगर भीमखोज निवासी भुवनेश्वर ध्रुव पिता शिवप्रसाद (22), दुर्गेश ध्रुव पिता राकेश ध्रुव (20) और एक नाबालिग को हिरासत में लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी की

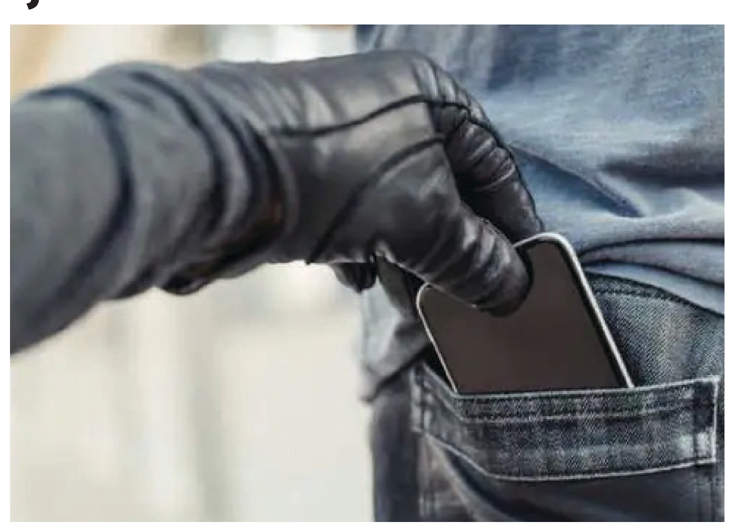

मोबाइल बरामद की। चोरों ने पुलिस को बताया कि वे बाइक से भंवरपुर गए और वहां घटना को अंजाम देने के बाद फिर वापस लौट आए।

किराना दुकान 35 हजार का सामान उठा ले गए चोर

किराना दुकान बंद करने के बाद तीन घंटे बाद संचालक को फोन आया तो उसके होश उड़ गए। सूचना मिलने के बाद वे अपने पिता के साथ दुकान पहुंचे तो देख कि शटर खुला हुआ था और ताला टूटा पड़ा था। अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर प्रवेश किए और सामान को चोरी कर ले गए। मामला सरायपाली रेस्ट हाउस के सामने का है। इधर, पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अज्ञात चोरों ने करीब 35 हजार रुपए के सामान की चोरी की है।

दो कार में आमने-सामने हुई टक्कर, एक महिला गंभीर

महासमुंद (ए)। दो कार आमने सामने भिड़ने से कार सवार एक महिला को गंभीर चोट आई है। उसका राजधानी के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना बागबाहरा से पिथौरा मार्ग के ग्राम कल्याणपुर की है। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं हादसे में कार भी क्षतिग्रस्त कर हो गई। पुलिस के अनुसार सिविल लाइन बलौदाबाजार निवासी अविनाश मिश्रा सहायक शिक्षक के पद पर ग्राम लिमाही में पदस्थ है। वह सह परिवार अपनी कार क्रमांक सीजी 22 यू 7769 में चंडी मंदिर घुंचापाली बागबाहरा और खल्लारी मंदिर दर्शन करने आ रहे थे। पिथौरा से बागबाहरा रोड के स्थित राइस मिल ग्राम कल्याणपुर के पास पहुंचे थे कि सामने से आ रही कार क्रमांक सीजी 29 ए 2175 के चालक ने तेज एवं लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए कार को सामने से टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जोर थी कि इससे अविनाश की पत्नी पत्नी अनिता मिश्रा को गंभीर चोट आई। वहीं अविनाश को मामूली चोट आई।

जुलूस के दौरान पत्थर फेंका विरोध में थाने का किया घेराव

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के आजाद चौक थाने के अंतर्गत एक धार्मिक जुलूस के दौरान एक ही गुट के लोग आपस में भिड़ गए। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रामकुंड में आपसी विवाद की वजह से मामला काफी गरमा गया। इस घटना के बाद काफी संख्या में लोग आजाद चौक थाना पहुंचकर विरोध दर्ज कराने लगे। मिली जानकारी के मुताबिक रविवार की रात करीब नौ बजे जुलूस में शामिल

होने के बाद युवक वापस लौट रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने कुछ युवकों पर पत्थर फेंक दिया। घटना के बाद काफी संख्या में लोग थाने इकठ्ठे हो गए। मौके पर पुलिस आने के बाद स्थिति काबू में हुई। सूत्रों के मुताबिक विवाद में चाकूबाजी और युवकों के घायल होने की बात कही जा रही है, लेकिन पुलिस ने इससे इन्कार किया है। पुलिस ने दूसरे पक्ष के खिलाफ भी केस दर्ज कर लिया है।

ऑनलाइन एप से लोन दिलाने का झांसा देकर महिला डाक्टर से ठगी, दो गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में आनलाइन एप से लोन देकर ठगी करने के दो आरोपितों को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। रायपुर की महिला डाक्टर को ठगों ने अपना निशाना बनाया था। पुलिस ने कुंदन सिंह निवासी ग्राम द्वाराटाट थाना द्वाराटाट जिला अल्मोड़ा उत्तराखंड और राहुल बड़वाल निवासी ग्राम डूहुम महवाला थाना भरवाई जिला उना हिमाचल प्रदेश को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। दिल्ली के द्वारका नगर में काल सेंटर कार्यालय खोल कर पूरा गिरोह चला रहे थे।

मामले का राजफाश करते हुए एडिशनल एसपी तारकेश्वर पटेल ने बताया कि ठगी आनलाइन एप के माध्यम से लोन देकर हुई थी। टिकरापारा थाने में जाकर महिला डाक्टर ने आपबीती सुनाई। उन्हें तुरंत कुछ पैसों की जरूरत थी। इंस्टैंट लोन एप कम ब्याज वाला फटाफट लोन का ऑफर देखा तो सहज भरोसा कर लिया और भारी मुसीबत में फंस गई। 30 वर्षीया महिला डाक्टर ने लुभावने ऑफर देखा तो अपने मोबाइल में अलग-अलग लोन एप डाउनलोड कर लिया और कुल 55 हजार रुपये का लोन ले लिया।

लोन देते समय एप वालों ने 80 दिन के बाद किस्त जमा करने का नियम बताया था, लेकिन लोन देने के बाद किस्त जमा करने की अवधि 80 दिन के बजाय सात दिन कर दी। सात दिन में किस्त की राशि जमा नहीं करने पर 200 रुपये प्रति दिन के हिसाब से अतिरिक्त चार्ज जोड़ने लगे। सात दिन में ही महिला डाक्टर के पास फोन आने लगे। इससे पीड़िता परेशान हो गई। किस्त देने में आनाकानी की तो ठगों ने वाट्सएप काल करके गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। अश्लील फोटो इंटरनेट मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने लगे। जिस पर महिला ने ऑनलाइन तीन लाख 93 हजार 998 रुपये दे दिए।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा सूचना

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु नीचे उल्लेखित कार्य के लिये छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था में श्रेणी-डी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	सिस्टम नम्बर	द्वितीय निविदा सूचना क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख मे)
1	97196	01	Providing, laying, jointing, testing and commissioning of Distribution Network & Clear Water Rising Main 150mm dia D.I. K-9 & 200mm dia to 250mm dia D.I. K-7 Pipe with suitable joints all fittings including all allied civil works with trial run operation & Maintanance under Bemetara Aug. Water Supply Scheme, District-Bemetara. 150mm dia D.I. K-9 pipe - 20 200mm dia D.I. K-7 pipe - 558 250mm dia D.I. K-7 pipe - 178	253.14

1. बिड प्रारंभ की तिथि – 18.04.2022
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि – 28.04.2022

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 18.04.2022 से देखे जा सकते है।

जी-90289/6

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बेमेतरा (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग बालोद

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-1636/NIT-1/ 2022-2023/ व ले लि — दिनांक 13.04.2022

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 23.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 28.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 29.04.2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू. में) बैंक साल्वेंसी (रू.में)
1	2	3
1 T0004	2022-23 लो नि वि अनुविभाग क्रमांक 02 बालोद के अंतर्गत दल्लीराजहरा में बायपास मार्ग लं 19.00 कि.मी का सर्वे कार्य 13422 प्रथम आमंत्रण	2.97 2970.00 44550.00
1 T0005	2022-23 लो नि वि अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत सनौद डोटोपार अरकार मार्ग के कि.मी. 1/2 से 8/10 कि.मी. में सर्वे एवं कि.मी. 1/10 डोटोपार नाला में पुल निर्माण हेतु बोरिंग का	2.22 2220.00 33300.00
1 T0007	2022-23 लो नि वि अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत दुर्ग गुण्डरदेही बालोद मार्ग के कि.मी. 31/2 में मध्यम पुल निर्माण हेतु बोरिंग का कार्य 13422 प्रथम आमंत्रण	2.99 2990.00 44850.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

नियम व शर्तें:-
1) ठेकेदार के पंजीयन की प्रति।
2) पेन कार्ड की छायाप्रति।
3) बैंक साल्वेंसी सर्टिफिकेट।
4) जी.एस.टी. प्रमाण पत्र की छायाप्रति।
5) अग्रिम भुगतान नहीं किया जावेगा।
6) बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार विभाग को होगा।
7) सौफ्ट वाल डोंगल प्रमाण पत्र।
8) डी.पी.आर. कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र एवं आटो लेवल मशीन।
9) निविदा प्रपत्र की किमत 750.00 रू., निविदाकारों की श्रेणी ''द'' से ''अ'' वर्ग एवं कार्य की अवधि ''02 माह'' होगी।

जी-90324/3

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स)
संभाग, बालोद

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875 99938-08453 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी बियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मिस एंड मिसेस लेडिस वेयर
• गाऊन • ब्रा. पेन्टी • नाईटी • ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR Mob.-9840760388 7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन

भिलाई । रायपुर में आयोजित दिशा स्कूल कराटे चैंपियनशिप जिसमें हाउसिंग बोर्ड भिलाई के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जिसमें हाउसिंग बोर्ड कराटे क्लब के कोच अपर्णा चक्रवर्ती एवं कल्याण शामिल रहे ।

मर्चेंट मिल ने दैनिक कीर्तिमान के साथ तीनों पालियों में बनाये शिफ्ट रिकॉर्ड

भिलाई । सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मर्चेंट मिल में चैनल, एंगल सहित टीएमटी बार्स और लाइट स्ट्रक्चर्ल्स की रोलिंग की जाती है। मर्चेंट मिल ने 17 अप्रैल 22 को 125ग125 डायमेंशन के बिलेट्स के साथ 32 एमएम टीएमटी बार्स के रोलिंग में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 17 अप्रैल 2022 को मर्चेंट मिल ने 2741 टन 32 एमएम टीएमटी बार्स का उत्पादन कर, जो 25 मार्च 2022 को उत्पादित 2420 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ दैनिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। 17 अप्रैल 2022 को ही मर्चेंट मिल ने ए, बी और सी शिफ्टों में क्रमश: 901 टन, 909 टन और 931 टन रोलिंग कर तीनों शिफ्टों में नए शिफ्ट रिकॉर्ड बनाने में कामयाबी हासिल की।

हनुमान जन्मोत्सव पर हिन्दू युवा मंच ने निकाली भव्य शोभायात्रा

दुर्ग। हिन्दू युवा मंच द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा व महाआरती का आयोजन किया गया। संगठन प्रमुख गोविंद राज नायडू के निर्देशानुसार,महामंत्री श राजेश शर्मा की अनुमति से व अध्यक्ष कुमार नायर के नेतृत्व में स्वागत समिति के प्रमुख दिनेश मिश्रा व संचालक राहुल जैन द्वारा सकल हिन्दू समाज के 55 से अधिक जाति प्रमुख एवं सामाजिक संगठनों के प्रमुखों को संगठन के मार्गदर्शक मण्डल में शामिल हुए। जिला योजना समिति के सदस्य व अपने बेबाक अंदाज के लिए पहचानें जाने वाले दुर्ग नगर निगम के पार्षद अरुण सिंह द्वारा साफा पहनाकर, अध्यक्ष कुमार नायर द्वारा तलवार भेंट किया।

दुर्ग विधायक वोरा ने की सीएम से मुलाकात

करोड़ों के लोकार्पण होने वाले विकास कार्यों पर की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात की। रायपुर स्थित सीएम निवास में वोरा ने श्री बघेल से 22 अप्रैल को होने वाले विकास कार्यो के संबंध में लंबी चर्चा की। इधर अधिकारियों से वोरा ने कहा है कि 2 मई से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र में आकस्मिक निरीक्षण करेंगे।

दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियां यह सुनिश्चित कर लें कि विकास योजनाओं का पेंडिंग वर्क ज्यादा से ज्यादा निबटा लिया जाए। वोरा ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले पीडब्लूडी विभाग के अफ्सर प्रमुख मार्गों का डामरीकरण जरूर कराएं। इसके अलावा अमृत मिशन योजना का कार्य भी तत्काल पूरा किया जाना चाहिए। वोरा ने कहा कि वोरा ने कहा कि 64 करोड़ की लागत से जीई रोड का उन्नयन और सौंदर्यीकरण कार्य के तहत जीई रोड का डामरीकरण सीएम के आगमन से पहले पूरा किया जाए। 12 करोड़ की लागत से प्रकाश व्यवस्था के लिए लाइट लगाने का काम भी तत्काल पूरा किया जाए। जीई रोड के उन्नयन और सौंदर्यीकरण कार्य के कारण सड़क पर धूल उड़ रही है। रात के समय अंधकार रहता है जिसके कारण आवाजाही करने वाले नागरिकों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। डामरीकरण और लाइट लगाने का काम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आकस्मिक दौरे से पहले पूरा कर लिया जाना चाहिए। वोरा ने कहा कि पिछले एक साल से ज्यादा समय से 10 करोड़ की लागत से बोरसी.रुआंबांधा रोड के डामरीकरण कार्य काफी सुस्त चाल से हो रहा है। इस रोड के निर्माण के साथ ही हाल ही में 9 करोड़ 34 लाख की लागत से प्रारंभ किये गए राजेंद्र चौक से जेवरा सिरसा चौक तक डामरीकरण कार्य का बचा काम भी फिनिशिंग के साथ पूरा किया जाना चाहिए। वोरा ने कहा कि 153 करोड़ की लागत से अमृत मिशन योजना का काम भी काफी पहले पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन यह काम अभी भी पूरा नहीं हो पाया है। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरा किया जाए।

वोरा ने अधिकारियों को 22 अप्रैल को मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियां करने के निर्देश भी दिये हैं। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं का काम अभी अधूरा है, उन सभी कार्यों को लोकार्पण से पहले शतप्रतिशत पूरा किया जाए। वोरा ने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि अधूरे कार्यों को तत्काल पूरा कर लिया जाए। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में किसी भी तरह की लापरवाही या चूक नहीं होनी चाहिए।

भाजपा ने चलाया स्वच्छता अभियान, स्वच्छता कर्मियों को गमछा व श्रीफल भेंट कर किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय एवं प्रदेश संयोजक स्वच्छ भारत अभियान के शंभू गुप्ता के निर्देशानुसार सामाजिक न्याय पखवाड़ा पूरे प्रदेश में 7 से 20 अप्रैल तक उक्त कार्य योजना को संचालित किया जा रहा है । इसी तारतम्य में आज भारतीय जनता पार्टी भिलाई जिला सुपेला मंडल में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश पांडेय के मार्गदर्शन में तथा भाजपा भिलाई स्वच्छता प्रकल्प के संयोजक विनोद देवांगन के नेतृत्व मे सुपेला मंडल के भेलवा तालाब नेहरू नगर तालाब के आसपास के एरिया में सफाई अभियान चलाया गया। एवं स्वच्छता कर्मियों को गमछा व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से राकेश पांडेय प्रदेश चिकित्सा प्रकोष्ठ से डॉ रतन तिवारी सुपेला भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन जिला कार्यालय मंत्री मनोज तिवारी मंडल अध्यक्ष विजय जयसवाल स्वच्छता प्रकोष्ठ के संयोजक विनोद देवांगन पार्षद चंद्रकला बांधे, जयप्रकाश यादव, मुकेश अग्रवाल, अरुण श्याम कुमार, उत्तम साहू, सुनील शर्मा, मुरलीधर गुल्हने, अशोक जैन, महेंद्र प्रताप सिंह किसान मोर्चा से प्रदीप साहू,श्री रंगे ठाकुर एवं सुपेला और नेहरू नगर के वरिष्ठ नागरिकगण सहित स्वच्छता प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चंद्रशेखर की 95 वीं जयंती मनाई गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण स्मारक प्रतिष्ठान, आचार्य नरेंद्र देव स्मृति जन अधिकार अभियान समिति एवं चंद्रशेखर फाउंडेशन की ओर से देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चंद्रशेखर की 95 जयंती पर रविवार 17 अप्रैल को मनाई गई। जिसमें 'मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में स्व. चंद्रशेखर की प्रासंगिकता' पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

एचएससीएल कॉलोनी रूआबांधा में आयोजित इस समारोह में सबसे पहले उपस्थित लोगों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, स्वर्गीय चंद्रशेखर, भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण और प्रख्यात समाजवादी डॉ राम मनोहर लोहिया के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता एडवोकेट जमील अहमद ने कहा कि जनता से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन पर केंद्र सरकार की कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा को चुनाव जीतना तो आता है लेकिन सरकार चलाना नहीं आता है। संयोजक आरपी शर्मा ने कहा कि चंद्रशेखर ने आचार्य नरेंद्र देव की सलाह पर अपनी पीएचडी छोड़ राजनीति में प्रवेश लिया था।

उन्होंने आजीवन समाजवाद को बुनियादी तौर पर आगे बढ़ाया। उन्होंने चंद्रशेखर की 'भारत यात्रा एक प्रयास, जन-जन में विश्वास' पर पांच सूत्री कार्यक्रम की चर्चा भी की। अपनी बात रखते हुए त्रिलोक मिश्रा ने कहा कि देश सामाजिक तौर पर विभाजन की दिशा में जा रहा है। परिस्थितियां विषम होती जा रही हैं किंतु शिक्षा, बेरोजगारी और स्वास्थ्य जैसे ज्वलंत मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं की जाती है।

ई रिक्शा व तिपहियों से डोर-टू-डोर प्रतिदिन 150 टन कचरा का उठाव, एसएलआरएम सेंटर से हो रहा कचरे का सफाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ई रिक्शा व अन्य वाहनों से डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन से शहर स्वच्छ व सुंदरता की ओर बढ़ रहा है। साथ ही प्रत्येक मोहल्लों से कचरों को एसएलआरएम सेंटरों में ले जाकर निष्पादन किया जा रहा है। इससे निगम की आय बढ़ाने में ये सहायक भी बने हुए हैं।

निगम प्रशासन इन दिनों वार्डों में साफ-सफाई को लेकर ज्यादा सतर्क है। महापौर नीरज पाल ने भी सफाई व्यवस्था को लेकर निगम के स्वास्थ्य विभाग को मुस्तैद रहने कहा है। उनके निर्देश के बाद आयुक्त प्रकाश सर्वे ने नियमित रूप से डोर-टू-डोर कलेक्शन कराने स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा व सफाई निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं। आए दिन आयुक्त स्वयं सुबह-सुबह वार्डों में जाकर सफाई व्यवस्था का जायजा भी ले रहे हैं। जोन के सफाई निरीक्षकों की देखरेख में घरों से निकले कचरों का घर-घर जाकर उठाव कर रहे हैं। सफाई कर्मी ई रिक्शा व तिपहिया आदि वाहनों से कचरा कलेक्शन कर रहे हैं।

उसके बाद एसएलआरएम सेंटरों तक परिवहन किया जा रहा है। इन सेंटरों में गीला व सूखा कचरों को अलग किया जा रहा है। एसएलआरएम जोन 1 के रैशने आवास नेहरू नगर, नेहरू नगर पूर्व व कृष्णा नगर, जोन 2 में एसीसी जामुल के पास बोगदा पुलिया, जोन 3 में केम्प 2 बैकुंठधाम व जोन 4 के आईटीआई ग्राउंड में प्रतिदिन लगभग 150 टन कचरा पहुंच रहा है।

इन प्रत्येक एसएलआरएम सेंटर में 15-17 ई-रिक्शा, 25-26 तिपहिया वाहनों, 4-5 ऑटो, 1-1 ट्रेक्टर से कचरा का संग्रहण हो रहा है। इस प्रकार प्रत्येक एसएलआरएम सेंटर में प्रतिदिन लगभग 25-25 टन कचरा का संग्रहण किया रहा है। प्रत्येक एसएलआरएम में 14-15 टन गीला और शेष सूखा कचरा का कलेक्शन किया जा रहा है।

बापूनगर गुरूद्वारा में किया जाएगा लंगर हॉल का निर्माण

लोककर्म प्रभारी व विधायक प्रतिनिधि एकांश बंछोर ने गुरुद्वारा समिति के साथ किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । बापूनगर गुरूद्वारा में एक बड़ा लंगर हॉल का निर्माण किया जाएगा। जिसका आज भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन बेबे नानकी जी के अवतरण दिवस के पावन अवसर पर किया गया। जिनके अवतरण दिवस के पावन अवसर पर गुरुद्वारा में गुरुवाणी हुई और लंगर का आयोजन हुआ।

इसके बाद भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि लोककर्म प्रभारी व विधायक प्रतिनिधि एकांश बंछोर रहे। यहां विशेष रूप से जोन अध्यक्ष भूपेंद्र

यादव, इंद्रजीत सिंह छोटू, पूर्व पार्षद मार्तंड सिंह मनहर सहित गुरूद्वारा कमेटी के सभी सदस्य व पदाधिकारी मौजूद रहे। भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव और भिलाई महापौर नीरज पाल के निर्देश में लोक कर्म प्रभारी व विधायक प्रतिनिधि एकांश बंछोर ने गुरूद्वारा कमेटी के साथ मिलकर विधि विधान के साथ भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर एकांश बंछोर ने कहा कि गुरूद्वारा समिति की काफी समय से मांग थी कि गुरूद्वारा में एक हॉल का निर्माण किया जाए। ताकि गुरूद्वारा में आयोजित होने वाले आयोजनों में आसानी हो। कई आयोजन गुरूद्वारा में होते हैं। लेकिन हॉल की कमी की वजह से लोगों को बाहर टेंट लगाकर बैठना पड़ता है। इस समस्या को लेकर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र ने पहल की और यहां एक हॉल बनाने का फैसाल लिया। इसी कड़ी में उन्होंने निगम अफसरों को सख्त निर्देश दिए कि वे जल्द से जल्द इस्टीमेंट तैयार करें और निर्माण कार्य शुरू कराएं। इसी कड़ी में निर्माण कार्य की पूरी तैयारी करने के बाद आज भूमिपूजन किया गया अब जल्द ही यहां निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

सर्वे में तेजी लाने निर्देश

आयुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक, अवैध होर्डिंग्स को निकालने दो दिन की मोहलत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र में सड़क किनारे और इलेक्ट्रीक पोल पर लगे फ्लैक्स को देख आयुक्त ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने फ्लैक्स लगाने वाले को दो दिन की मोहलत दी है। फ्लैक्स होर्डिंग्स को नहीं निकालने पर जब्त करने की कार्यवाही की जावेगी।

नगर पालिक निगम रिसाली के आयुक्त आशीष देवांगन ने सोमवार को लोक निर्माण विभाग व राजस्व विभाग की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रचार प्रसार करने वाली एजेंसी का पता लगाए और उन्हे नियमों का पालन करने का आदेश दे।

आयुक्त ने कहा कि प्रचार प्रसार का कार्य करने वाली एजेंसी शहर की सुंदरता पर दाग लगा रहे है। मन मर्जी से अस्थाई व लोहे का स्ट्रक्चर तैयार कर फ्लैक्स लगा रहे है। वे किसी वरह का अनुमति भी नहीं लेते।

आयुक्त ने दो दिन की मोहलत देते हुए सभी फ्लैक्स को स्वत: हटाने निर्देश दिए है। साथ ही कहा है कि अगर कोई एजेंसी लापरवाही बरतता है तो निगम के कर्मचारी फ्लैक्स व होर्डिंग्स की जब्ती बनाए। बैठक में कार्यपालन अभियंता सुशील बाबर, सहायक अभियंता आर के जैन, उपअभियंता हिमांशु कावड़े, नितिश साहू, अखिलेश गुप्ता, उमयंती ठाकुर, डिगेश्वरी चंद्राकर, राजस्व अधिकारी हरचरण सिंह अरोरा, संजय वर्मा, गोपाल सिन्हा आदि उपस्थित थे।

छोटे बड़े कार्य की करे मॉनिटरिंग

आयुक्त ने सभी उपअभियंता को निर्देश दिए है कि वे छोटे बड़े प्रत्येक कार्य की गुणवत्ता मौके पर जा कर करे। उन्होंने कहा कि कार्यालय आने से पहले वे विजिट करे। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर मौके पर ही खड़े होकर उसे ठीक कराए। कार्य शुरू नहीं होने अथवा विलंब होने पर निर्माणकर्ता एजेंसी को अनिवार्य नोटिस दे। नोटिस का उल्लेख फाइल पर अवश्य करे।

सर्वे पर दे ध्यान

आयुक्त ने अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सर्वे में गंभीरता लाने कहा। किसी भी वार्ड में छुटे हुए हितग्राहियों व उनके परिवार के सद्स्यों का नाम सूची में जोड़ने कहा। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि पट्टाधारी से सहायक राजस्व अधिकारी लगातार संपर्क करे। उन्हें मालिकाना हक दिलाने के लिए रजिस्ट्री कराने प्रेरित करे। जो हितग्राही रजीस्ट्री कराने सहमती दे चुके है उनकी सूची अग्रिम कार्यवाही के लिए जिला मुख्यालय भेजे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950